



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, मंगलवार, 30 सितम्बर, 2008 / 8 आश्विन, 1930

हिमाचल प्रदेश सरकार

लोक निर्माण विभाग

अधिसूचनाएं

शिमला—2, 25 सितम्बर, 2008

संख्या: पी०बी०डब्ल्यू(बी)एफ(5)–149 / 2008—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु नामतः गांव सैन की सैर, तहसील नाहन, जिला सिरमौर में नाहन—कुमारहटी सड़क को चौड़ा करने हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है, अतएव एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि निम्न विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है, उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को, जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भू—अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा 4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने और सर्वेक्षण करने तथा उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमतः अन्य सभी कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं।

4. कोई भी हितबद्ध व्यक्ति जिसे उक्त परिक्षेत्र में कथित भूमि के अर्जन पर कोई आपत्ति हो तो वह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस (30) दिन की अवधि के भीतर भू-अर्जन सर्वाहता, लोक निर्माण विभाग शिमला, के समक्ष लिखित आपत्ति दायर कर सकता है।

विवरणी

जिला	तहसील	गांव	खसरा नम्बर	क्षेत्र (विधा विस्वा)
सिरमौर	नाहन	सैन की सैर	138 / 1 141 / 1	1-4 0-2
		कुल जोड़	किता-2	1-6

शिमला-2, 25 सितम्बर, 2008

संख्या: पी०बी०डब्ल्यू(बी)एफ(5)-108 / 2008.—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु गांव चाखल डुंगीसेर, तहसील राजगढ़, जिला सिरमौर में हब्बन धमून सड़क निर्माण हेतु सड़क भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है, अतएव एतद द्वारा यह घोषित किया जाता है कि निम्नलिखित विवरणी में वर्णित भूमि उपर्युक्त प्रयोजन के लिए अपेक्षित है।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को, जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा 4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने और सर्वेक्षण करने तथा उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमतः अन्य सभी कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं।

4. कोई भी हितबद्ध व्यक्ति जिसे उक्त परिक्षेत्र में कथित भूमि के अर्जन पर कोई आपत्ति हो तो वह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस (30) दिन की अवधि के भीतर भू-अर्जन सर्वाहता, लोक निर्माण विभाग शिमला, के समक्ष लिखित आपत्ति दायर कर सकता है।

विवरणी

जिला	तहसील	गांव	खसरा नम्बर	क्षेत्र (विधा विस्वा)
सिरमौर	राजगढ़	चाखल डुंगीसेर	617 / 545 / 5 / 1 606 / 4 / 1 316 / 1 318 / 1 / 1 688 / 317 / 1 319 / 1	2-13 0-1 1-17 0-2 2-5 3-1
		कुल जोड़	किता-6	9-19

शिमला-2, 25 सितम्बर, 2008

संख्या: पी०बी०डब्ल्यू(बी)एफ(5)-148 / 2008.—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु नामतः गांव सरोग टिक्कर, तहसील नाहन, जिला सिरमौर में नाहन-कुमारहटी सड़क को चौड़ा करने हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है, अतएव एतद द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि निम्न विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है, उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को, जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भू-अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा 4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने और सर्वेक्षण करने तथा उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमतः अन्य सभी कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं।

4. कोई भी हितबद्ध व्यक्ति जिसे उक्त परिक्षेत्र में कथित भूमि के अर्जन पर कोई आपत्ति हो तो वह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस (30) दिन की अवधि के भीतर भू-अर्जन सर्वाहता, लोक निर्माण विभाग शिमला, के समक्ष लिखित आपत्ति दायर कर सकता है।

विवरणी

जिला	तहसील	गांव	खसरा नम्बर	क्षेत्र (विधा विस्वा)
सिरमौर	नाहन	सरोग टिक्कर	425 / 359 / 283 / 1	0-3
			379 / 307 / 1	0-2
			380 / 317	0-1
			396 / 318 / 1	0-2
			396 / 318 / 2	0-1
			388 / 322 / 1	0-1
कुल जोड़		किता-6		0-10

शिमला-2, 16 सितम्बर, 2008

संख्या: पी0बी0डब्ल्यू(बी)एफ(5)-134 / 2008.—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु नामतः गांव घरवासडा, उप तहसील बल्द्वाडा, जिला मण्डी में ऊना अगार बड़सर जाहू भाम्बला नेर चौक सड़क चौड़ा करने के निर्माण हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है, अतएव एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि निम्न विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है, उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को, जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भू-अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा 4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने और सर्वेक्षण करने तथा उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमतः अन्य सभी कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं।

4. कोई भी हितबद्ध व्यक्ति जिसे उक्त परिक्षेत्र में कथित भूमि के अर्जन पर कोई आपत्ति हो तो वह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस (30) दिन की अवधि के भीतर भू-अर्जन सर्वाहता, लोक निर्माण विभाग मण्डी, के समक्ष लिखित आपत्ति दायर कर सकता है।

विवरणी

जिला	उप-तहसील	गांव	खसरा नम्बर	क्षेत्र (है) में
मण्डी	बल्द्वाडा	घरवासडा	916 / 1	0-00-07
			922 / 1	0-00-28
		कुल	किता-2	2-00-35

शिमला-2, 20 सितम्बर, 2008

संख्या: पी0बी0डब्ल्यू(बी)एफ(5)-205 / 2008.—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु गांव जखेड, उप तहसील बल्द्वाडा, जिला मण्डी में ऊना-अधार-बड़सर-जाहू-भाम्बला-नेर चौक सड़क को चौड़ा करने के हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है, अतएव एतद् द्वारा यह घोषित किया जाता है कि निम्नलिखित विवरणी में वर्णित भूमि उपर्युक्त प्रयोजन के लिए अपेक्षित है।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को, जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा 4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने और सर्वेक्षण करने तथा उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमतः अन्य सभी कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं।

4. कोई भी हितबद्ध व्यक्ति जिसे उक्त परिक्षेत्र में कथित भूमि के अर्जन पर कोई आपत्ति हो तो वह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस (30) दिन की अवधि के भीतर भू-अर्जन समाहता, लोक निर्माण विभाग मण्डी, के समक्ष लिखित आपत्ति दायर कर सकता है।

विवरणी

जिला	उप-तहसील	गांव	खसरा नम्बर	क्षेत्र (हैक्टर)
मण्डी	बल्द्वाडा	जखेड	13 / 1	0-02-25
			25 / 1	0-05-38
			34 / 1	0-00-47
			35 / 1	0-01-28
			267 / 1	0-00-79
			277 / 1	0-01-08
			434 / 1	0-02-50
		कुल जोड	किता-7	0-13-75

शिमला-2, 20 सितम्बर, 2008

संख्या: पी0बी0डब्ल्यू(बी)एफ(5)-82 / 2008.—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु नामतः गांव हवाणी, उप तहसील बल्द्वाडा, जिला मण्डी में ऊना-अधार-बड़सर-जाहू-भाम्बला-नेर चौक सड़क को चौड़ा करने हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है, अतएव एतद् द्वारा यह घोषित किया जाता है कि निम्नलिखित विवरणी में वर्णित भूमि उपर्युक्त प्रयोजन के लिए अपेक्षित है।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को, जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भू-अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा. 4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने और सर्वेक्षण करने तथा उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमतः अन्य सभी कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं।

4. कोई भी हितबद्ध व्यक्ति जिसे उक्त परिक्षेत्र में कथित भूमि के अर्जन पर कोई आपत्ति हो तो वह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस (30) दिन की अवधि के भीतर भू-अर्जन सर्वाहता, लोक निर्माण विभाग मण्डी, के समक्ष लिखित आपत्ति दायर कर सकता है।

विवरणी

जिला	उप-तहसील	गांव	खसरा नम्बर	क्षेत्र (हैक्टर)
मण्डी	बल्द्वाडा	हवाणी	183 / 1	0-02-10
			191 / 1	0-00-78
			192 / 1	0-00-35
			260 / 1	0-01-39
कुल जोड़		किता-4		0-04-62

शिमला-2, 25 सितम्बर, 2008

संख्या: पी0बी0डब्ल्यू(बी)एफ(5)-144 / 2008.—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु गांव गोहर, तहसील च्चयोट, जिला मण्डी में जियूनी खड्ड पुल गोहर सड़क के निर्माण हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है, अतएव एतद् द्वारा यह घोषित किया जाता है कि निम्नलिखित विवरणी में वर्णित भूमि उपर्युक्त प्रयोजन के लिए अपेक्षित है।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को, जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भू-अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा. 4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने और सर्वेक्षण करने तथा उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमतः अन्य सभी कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं।

4. कोई भी हितबद्ध व्यक्ति जिसे उक्त परिक्षेत्र में कथित भूमि के अर्जन पर कोई आपत्ति हो तो वह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस (30) दिन की अवधि के भीतर भू-अर्जन सर्वाहता, लोक निर्माण विभाग मण्डी, के समक्ष लिखित आपत्ति दायर कर सकता है।

विवरणी

जिला	उप-तहसील	गांव	खसरा नम्बर	क्षेत्र (विधा-विस्वा)
मण्डी	च्चयोट	गोहर	913	0-0-9
कुल जोड़		किता-1		0-0-9

शिमला-2, 16 सितम्बर, 2008

संख्या: पी0बी0डब्ल्यू(बी)एफ(5)-52/2008.—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु नामतः गांव रटोली, उप तहसील बल्द्वाडा, जिला मण्डी में ऊना—अगार—बड़सर—जाहू—भास्वला—नेर चौक सड़क चौड़ा करने के निर्माण हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है, अतएव एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि निम्न विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है, उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को, जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भू—अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा. 4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने और सर्वेक्षण करने तथा उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमतः अन्य सभी कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं।

4. कोई भी हितबद्ध व्यक्ति जिसे उक्त परिक्षेत्र में कथित भूमि के अर्जन पर कोई आपत्ति हो तो वह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस (30) दिन की अवधि के भीतर भू—अर्जन समाहता, लोक निर्माण विभाग मण्डी, के समक्ष लिखित आपत्ति दायर कर सकता है।

विवरणी

जिला	उप—तहसील	गांव	खसरा नम्बर	क्षेत्र (हैक्टर) में
मण्डी	बल्द्वाडा	रटोली	78 / 1 79 / 1	0—03—13 0—01—23
कुल		किता—2		0—04—36

शिमला-2, 22 मार्च, 2008

संख्या: पी0बी0डब्ल्यू(बी)एफ(5)-352/2008.—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु नामतः गांव ठोहड़ा भलून, तहसील नूरपुर, जिला कांगड़ा में सड़क के किनारे नाली बनाने के निर्माण हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है, अतएव एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि निम्न विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है, उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को, जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भू—अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा. 4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने और सर्वेक्षण करने तथा उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमतः अन्य सभी कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं।

4. कोई भी हितबद्ध व्यक्ति जिसे उक्त परिक्षेत्र में कथित भूमि के अर्जन पर कोई आपत्ति हो तो वह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस (30) दिन की अवधि के भीतर भू—अर्जन समाहता, लोक निर्माण विभाग उ० क्षेत्र कांगड़ा के समक्ष अपनी आपत्ति दायर कर सकता है।

विवरणी

जिला	उप-तहसील	गांव	खसरा नम्बर	क्षेत्र (है० में)
कांगड़ा	नूरपुर	ठोहड़ा भलून	1010 / 1	0-00-28
			1640 / 1011 / 1	0-00-06
			1645 / 1012 / 1	0-00-04
			1643 / 1012 / 1	0-00-12
			1652 / 1520 / 1018 / 1	0-00-36
			1653 / 1620 / 1	0-00-30
			1014 / 2 / 1	0-00-30
कुल किता-7				0-01-46

शिमला-2, 17 सितम्बर, 2008

संख्या: पी०बी०डब्ल्यू(बी)एफ(5)-43/2008.—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु नामतः गांव नलवाड़ी, तहसील बंगाणा, जिला ऊना में ऊना-अग्धार-मण्डी राज्य उच्च मार्ग के निर्माण हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है, अतएव एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि निम्न विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है, उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को, जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भू-अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा. 4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने और सर्वेक्षण करने तथा उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमतः अन्य सभी कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं।

4. कोई भी हितबद्ध व्यक्ति जिसे उक्त परिक्षेत्र में कथित भूमि के अर्जन पर कोई आपत्ति हो तो वह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस (30) दिन की अवधि के भीतर लिखित रूप में भू-अर्जन समर्हिता, लोक निर्माण विभाग कांगड़ा, के समक्ष अपनी आपत्ति दायर कर सकता है।

विवरणी

जिला	तहसील	गांव	खसरा नम्बर	क्षेत्र (है० में)
ऊना	बंगाणा	नलवाड़ी	8 / 1	0-02-96
			10 / 1	0-00-32
			73	0-02-11
			74	0-00-58
			79 / 1	0-00-28
			80 / 1	0-00-40
			82 / 1	0-00-35
			84 / 1	0-00-65
			152 / 1	0-00-66
			155 / 1	0-01-92
			217	0-00-98
			214 / 1	0-02-46
कुल किता-12				0-13-67

शिमला-2, 17 सितम्बर, 2008

संख्या: पी0बी0डब्ल्यू(बी)एफ(5)-137/2008.—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु नामतः गांव एरियां, तहसील ऊना, जिला ऊना में नंगल—मुवारिपुर—तलवाड़ा सड़क के निर्माण हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है, अतएव एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि निम्न विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है, उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को, जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भू—अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा. 4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने और सर्वेक्षण करने तथा उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमतः अन्य सभी कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं।

4. कोई भी हितबद्ध व्यक्ति जिसे उक्त परिक्षेत्र में कथित भूमि के अर्जन पर कोई आपत्ति हो तो वह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस (30) दिन की अवधि के भीतर लिखित रूप में भू—अर्जन समाप्ति, लोक निर्माण विभाग कांगड़ा, के समक्ष अपनी आपत्ति दायर कर सकता है।

विवरणी

जिला	तहसील	गांव	खसरा नम्बर	क्षेत्र (हेक्टेन में)
ऊना	ऊना	एरियां	679	00-07-49
			680	00-02-24
			681	00-04-93
			690	00-00-47
			691	00-02-09
			692	00-00-94
			693	00-01-55
			694	00-01-38
कुल किता—8				00-21-09

शिमला-2, 17 सितम्बर, 2008

संख्या: पी0बी0डब्ल्यू(बी)एफ(5)-138/2008.—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु नामतः गांव गलुआ, तहसील ऊना, जिला ऊना में नंगल—मुवारिकपुर—तलवाड़ा सड़क के निर्माण हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है, अतएव एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि निम्न विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है, उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को, जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भू—अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा. 4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने और सर्वेक्षण करने तथा उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमतः अन्य सभी कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं।

4. कोई भी हितबद्ध व्यक्ति जिसे उक्त परिक्षेत्र में कथित भूमि के अर्जन पर कोई आपत्ति हो तो वह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस (30) दिन की अवधि के भीतर लिखित रूप में भू-अर्जन समाहता, लोक निर्माण विभाग कांगड़ा, के समक्ष अपनी आपत्ति दायर कर सकता है।

विवरणी

जिला	तहसील	गांव	खसरा नम्बर	क्षेत्र (Square Dsi./mtr.में)
ऊना	ऊना	गलुआ	3143 / 1	45-88
			3368 / 3145	16-50
			3146 / 1	68-00
			3147 / 1	85-00
			3148 / 1	91-00
			3153 / 1	76-25
			3154	56-11
			3155 / 1	33-00
			3160 / 1	30-00
			3161 / 1	33-72
			3169 / 1	6-88
			3172 / 1	448 / 25
			3174 / 1	680-50
			3175 / 1	170-62
			3176 / 1	484-75
			3186 / 1	147-00

कुल किता—16

2472-99

शिमला—2, 24 सितम्बर, 2008

संख्या: पी0बी0डब्ल्यू(बी)एफ(5)—141 / 2008.—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु नामतः गांव मलाहतपुर, तहसील ऊना, जिला ऊना में नंगल—मुबारिकपुर—तलवाड़ा सड़क के निर्माण हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है, अतएव एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि निम्न विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है, उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को, जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भू-अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा 4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने और सर्वेक्षण करने तथा उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमतः अन्य सभी कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं।

4. कोई भी हितबद्ध व्यक्ति जिसे उक्त परिक्षेत्र में कथित भूमि के अर्जन पर कोई आपत्ति हो तो वह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस (30) दिन की अवधि के भीतर लिखित रूप में भू-अर्जन समाहता, लोक निर्माण विभाग कांगड़ा, के समक्ष अपनी आपत्ति दायर कर सकता है।

विवरणी

जिला	तहसील	गांव	खसरा नम्बर	क्षेत्र (Square Dsi./ में)
ऊना	ऊना	मलाहतनगर	1601 / 1	81–15
			2546 / 1601 / 1 / 1	54–00
			2547 / 1601 / 1 / 1	92–40
			1602 / 1	14–28
			2549 / 1603 / 1	6–88
			2550 / 1603 / 1	12–00
			2551 / 1603 / 1	8–50
			2552 / 1603 / 1	9–00
			2220 / 1604 / 1	115–80
			2221 / 1604 / 1	36–00
			1680 / 1	75–50
			1681 / 1	20–12
			1682	87–75
			1683 / 1	34–00
			2230 / 1685 / 1	22–00
			2231 / 1685 / 1	35–00
			1725 / 1	13–75
			1727 / 1	9–00
			1728 / 1	18–00
			1738 / 1	52–20
			1739 / 1	68–75
			1741 / 1	37–38
			2233 / 1743 / 1	87–00
			1744 / 1	88–50
			1783 / 1	346 / 85
			2571 / 2268 / 1	6–25
			2406 / 947 / 1	6–88
कुल किता—27				1438–91

शिमला—2, 25 सितम्बर, 2008

संख्या: पी0बी0डब्ल्यू(बी)एफ(5)–140 / 2008.—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु नामतः गांव भडोलियां खुर्द, तहसील ऊना, जिला ऊना में नंगल–मुबारिकपुर–तलवाड़ा सड़क के निर्माण हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है, अतएव एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि निम्न विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है, उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को, जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भू–अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा. 4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने और सर्वेक्षण करने तथा उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमतः अन्य सभी कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं।

4. कोई भी हितबद्ध व्यक्ति जिसे उक्त परिक्षेत्र में कथित भूमि के अर्जन पर कोई आपत्ति हो तो वह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस (30) दिन की अवधि के भीतर लिखित रूप में भू-अर्जन समाहता, लोक निर्माण विभाग कांगड़ा, के समक्ष अपनी आपत्ति दायर कर सकता है।

विवरणी

जिला	तहसील	गांव	खसरा नम्बर	क्षेत्र (हेक्टेन में)
ऊना	ऊना	भडोलियां खुर्द	2585 / 2042 / 1	0-00-38
			2049 / 1	0-00-30
			2153 / 1	0-09-34
			2159 / 1	0-02-70
			2160 / 1	0-02-55
			2161	0-06-39
			2162	0-17-01
			2171	0-32-60
			2256 / 1	0-02-35
			2285 / 1	0-05-40
			2336 / 1	0-02-80
			2337 / 1	0-02-30
			2338 / 1	0-05-20
			2378 / 1	0-00-12
			2380 / 1	0-03-25
			2381	0-07-80
			2387 / 1	0-10-98
			2388 / 1	0-00-77
			2390 / 1	0-02-52
			2391	0-07-15
			2476 / 1	0-05-32
			2494 / 1	0-02-32
			2511	0-00-07
			2512 / 1	0-00-18
			2513 / 1	0-00-18
			2515	0-00-72
			2516	0-00-30
			2526 / 1	0-00-12
कुल किता—28				1-31-15

शिमला—2, 17 सितम्बर, 2008

संख्या: पी0बी0डब्ल्यू(बी)एफ(5)—147 / 2008.—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु नामतः गांव चहलोग, तहसील ग्रामीण शिमला, जिला शिमला में घणाहटटी—नालहटटी—अर्की सड़क के निर्माण हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है, अतएव एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि निम्न विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है, उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को, जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भू-अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा 4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने और सर्वेक्षण करने तथा उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमतः अन्य सभी कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं।

4. कोई भी हितबद्ध व्यक्ति जिसे उक्त परिक्षेत्र में कथित भूमि के अर्जन पर कोई आपत्ति हो तो वह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस (30) दिन की अवधि के भीतर लिखित रूप में भू-अर्जन समाहिता, लोक निर्माण विभाग, द० क्षेत्र शिमला के समक्ष अपनी आपत्ति दायर कर सकता है।

विवरणी

जिला	उप-तहसील	गांव	खसरा नम्बर	क्षेत्र (है० में)
शिमला	ग्रामीण शिमला	चहलोग	177	0-03-96
			170	0-06-05
कुल किता-2				0-10-01

शिमला-2, 17 सितम्बर, 2008

संख्या: पी०बी०डब्ल्यू(बी)एफ(5)-120 / 2008.—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु नामतः गांव धडोई, तहसील कण्डाघाट, जिला सोलन में सायरी-दाऊटी सड़क के निर्माण हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है, अतएव एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि निम्न विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है, उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को, जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भू-अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा 4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने और सर्वेक्षण करने तथा उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमतः अन्य सभी कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं।

4. कोई भी हितबद्ध व्यक्ति जिसे उक्त परिक्षेत्र में कथित भूमि के अर्जन पर कोई आपत्ति हो तो वह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस (30) दिन की अवधि के भीतर लिखित रूप में भू-अर्जन समाहिता, लोक निर्माण विभाग, द० क्षेत्र शिमला के समक्ष अपनी आपत्ति दायर कर सकता है।

विवरणी

जिला	तहसील	गांव	खसरा नम्बर	क्षेत्र (बिस्वा विस्वा में)
सोलन	कण्डाघाट	धडोई	126	8-13
			165	16-17
			166	0-16
			167	1-11
			163	17-16
			164	1-8
			117	0-3
			150	0-8

155	1-5
152	0-5
154	1-1
159	1-14
160	2-2
149	0-7
कुल किता-14	54-6

शिमला-2, 24 सितम्बर, 2008

संख्या: पी0बी0डब्ल्यू(बी)एफ(5)-48/2008.—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु नामतः चमारू, तहसील जुब्बल, जिला शिमला में चमारू-जाचली-मठाईक सड़क के निर्माण हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है, अतएव एतद द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि निम्न विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है, उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को, जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भू-अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा 4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने और सर्वेक्षण करने तथा उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमतः अन्य सभी कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं।

4. कोई भी हितबद्ध व्यक्ति जिसे उक्त परिक्षेत्र में कथित भूमि के अर्जन पर कोई आपत्ति हो तो वह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस (30) दिन की अवधि के भीतर लिखित रूप में भू-अर्जन समर्हता, लोक निर्माण विभाग, द० क्षेत्र शिमला के समक्ष अपनी आपत्ति दायर कर सकता है।

विवरणी

जिला	तहसील	गांव	खसरा नम्बर	क्षेत्र (हैं० में)
शिमला	जुब्बल	चमारू	47	0-89-86
कुल किता-1				0-89-86

आदेश द्वारा,
हस्ताक्षरित /—
सचिव।

पर्यटन एवं नागरिक उड़ायन विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 17 सितम्बर, 2008

संख्या: टी०एस०एम-एफ(6)-1/2005,खण्ड-1.—यतः राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को अपने व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन के लिए नामतः वाक्या परगाणू फाटी व

कोठी खोखण तहसील व जिला कुल्लू हिमाचल प्रदेश में अधिग्रहण हेतु भू-अर्जन अधिनियम 1894 (1894 का पहला अधिनियम) के अन्तर्गत कुल्लू-मनाली हवाई पट्टी के टर्मिनल भवन के सम्पर्क मार्ग हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है, अतः एव एतद द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि निम्न विवरण में निर्दिष्ट किया गया है, उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन करना अपेक्षित है ।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को जो इससे सम्बन्धित है, या हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भू-अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा-4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है ।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों, उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने और उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमतः सभी अन्य कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं ।

4. कोई भी हितबद्ध व्यक्ति जिसे उक्त परिक्षेत्र में कथित भूमि के अर्जन पर कोई आपति हो तो वह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस (30) दिनों के भीतर लिखित रूप में भू-अर्जन समाहर्ता एवमं उप मण्डल अधिकारी (नागरिक) कुल्लू के समक्ष अपनी आपति दायर कर सकता है ।

विवरणी

जिला	तहसील	गांव	खसरा न०	रक्बा
कुल्लू	कुल्लू	परगाणू फाटी व कोठी खोखण	1685 / 1150 / 1 1685 / 1150 / 2	0-5-5 वीघा 1-2-0 बीघा
कुल रक्वा =			1-7-5 बीघा	

आदेश द्वारा,
(मनीषा नन्दा)
सचिव ।

तकनीकी शिक्षा व्यवसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 26 सितम्बर, 2008

संख्या ई.डी.एन.टी ई ए(1)1 / 2006.—हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से हिमाचल प्रदेश तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग में आचार्य (यांत्रिकी इंजीनियरी), वर्ग-1 (राजपत्रित) पद के लिए इस अधिसूचना से संलग्न उपाबन्ध-'क' के अनुसार भर्ती और प्रोन्नति नियम बनाती हैं, अर्थात :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग आचार्य (यांत्रिकी इंजीनियरी), वर्ग-I (राजपत्रित) भर्ती और प्रोन्नति नियम 2008 हैं ।

(2) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे ।

आदेश द्वारा,
हस्ताक्षरित /—
सचिव ।

हिमाचल प्रदेश तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक एवं औद्योगिकी प्रशिक्षण विभाग मे आचार्य (यांत्रिकी इंजीनियरी), वर्ग—I (राजपत्रित) पद के लिए भर्ती और प्रोन्नति नियम ।

1. पद का नाम—आचार्य (यांत्रिकी इंजीनियरी) ।
2. पदों की संख्या— 01 (एक) ।
3. वर्गीकरण—वर्ग —1 (राजपत्रित) ।
4. वेतनमान—16400—450—20900—500—22400 /—रुपए ।
5. चयन पद अथवा अचयन पद—चयन ।
6. सीधी भर्ती के लिए आयु—45 वर्ष और इससे कम ।

परन्तु सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए ऊपरी आयु सीमा तदर्थ या संविदा के आधार पर नियुक्त किए गए व्यक्तियों सहित, पहले से ही सरकार की सेवा में रत् अभ्यर्थियों को लागू नहीं होगी :

परन्तु यह और कि यदि तदर्थ या संविदा के आधार पर नियुक्त किया गया अभ्यर्थी, इस रूप में नियुक्ति की तारीख को अधिक आयु का हो गया हो तो वह तदर्थ या संविदा के आधार पर नियुक्ति के कारण विहित आयु में छूट के लिए पात्र नहीं होगा :

परन्तु यह और कि अनुसूचित जातियों /अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य वर्गों के व्यक्तियों के लिए उच्चतम आयु में उतनी ही छूट दी जाएगी जितनी हिमाचल प्रदेश सरकार के साधारण या विशेष आदेशों के अधीन अनुज्ञेय है ।

परन्तु यह और भी कि पब्लिक सैक्टर निगमों तथा स्वायत निकायों के सभी कर्मचारियों को जो ऐसे पब्लिक सैक्टर निगमों तथा स्वायत निकायों के प्रारम्भिक गठन के समय ऐसे पब्लिक सैक्टर/निगमों /स्वायत निकायों में आमेलन से पूर्व सरकारी कर्मचारी थे, सीधी भर्ती में आयु की सीमा में ऐसी रियायत दी जाएगी जैसी सरकारी कर्मचारियों को अनुज्ञेय है, किन्तु इस प्रकार की रियायत पब्लिक सैक्टर निगमों/स्वायत निकायों के ऐसे कर्मचारी वृन्द को नहीं दी जाएगी जो पश्चातवर्ती ऐसे निगमों/स्वायत निकायों द्वारा नियुक्त किये गये थे/किये गये हैं और उन पब्लिक सैक्टर निगमों/ स्वायत निकायों के प्रारम्भिक गठन के पश्चात ऐसे निगमों/स्वायत निकायों की सेवा में अन्तिम रूप से आमेलित किये गये हैं/किये गये थे ।

1. सीधी भर्ती के लिए आयु सीमा की गणना उस वर्ष के प्रथम दिवस से की जायेगी जिसमें पद (पदों) को, यथास्थिति, आवेदन आमन्त्रित करने के लिए यथास्थिति विज्ञापित किया गया है, या नियोजनालयों को अधिसूचित किया जाता है ।

2. अन्यथा सुअर्हित अभ्यर्थियों की दशा में सीधी भर्ती के लिए आयु सीमा और अनुभव हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल किया जा सकेगा ।

7. सीधी भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित न्यूनतम शैक्षिक और अन्य अर्हताएं—अनिवार्य अर्हतां—अध्यापन से सम्बन्धित अभ्यर्थियों के लिए अर्हता और अनुभव इंजीनियरी/प्रौद्योगिकी की समुचित शाखा में पी0एच0डी0 की उपाधि (स्नातक या स्नातकोत्तर स्तर पर प्रथम श्रेणी की उपाधि सहित) के साथ अध्यापन/उद्योग/अनुसंधान में दस वर्ष का अनुभव, जिसमें से 05 वर्ष का अनुभव सहायक आचार्य के स्तर पर होना चाहिए या इसके समकक्ष ।

उद्योग और व्यवसाय से सम्बन्धित अभ्यर्थियों के लिए अर्हता और अनुभव—उद्योग/व्यवसाय से सम्बन्धित अभ्यर्थी जो इंजीनियरी/प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर हैं और व्यावसायिक कार्य जो महत्वपूर्ण है तथा जिसे पी0एच०डी0 की उपाधि के समान मान्यता दी जा सके सहित दस वर्ष का अनुभव रखते हों जिसमें वरिष्ठ स्तर पर कम से कम 05 वर्ष का अनुभव सहायक आचार्य के तुल्य हो, भी पात्र होंगे ।

बांछनीय अर्हताएं—हिमाचल प्रदेश की रुद्धियों रीतियों और बोलियों का ज्ञान और प्रदेश में विद्यमान विशिष्ट दशाओं में नियुक्ति के लिए उपयुक्तता ।

8. सीधी भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षणिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होगी या नहीं—आयु : लागू नहीं ।

शैक्षणिक अर्हताएं—लागू हैं ।

9. परिवीक्षा की अवधि, यदि कोई हो—दो वर्ष जिसका एक वर्ष से अनधिक ऐसी और अवधि के लिए विस्तार किया जा सकेगा, जैसा सक्षम अधिकारी विशेष परिस्थितियों और लिखित कारणों से आदेश दें ।

10. भर्ती की पद्धति भर्ती सीधी होगी या प्रोन्नति प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण द्वारा और विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरे जाने वाले पदों की प्रतिशतता—शतप्रतिशत प्रोन्नति द्वारा ऐसा न होने पर सेकेण्डमैट आधार पर, दोनों के न होने पर सीधी भर्ती द्वारा नियमित आधार पर या संविदा के आधार पर ।

11. प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण की दशा में वह श्रेणिया (ग्रेड) जिनसे प्रोन्नति प्रतिनियुक्ति स्थानान्तरण किया जायेगा—सहायक आचार्य (यान्त्रिकी इंजीनियरी) में से प्रोन्नति द्वारा, जिनका पांच वर्ष का नियमित सेवाकाल या ग्रेड में की गई लगातार तदर्थ सेवाएं यदि कोई हो, को सम्मिलित करके पांच वर्ष का नियमित सेवाकाल हो, ऐसा न होने पर हिमाचल प्रदेश सरकार के अन्य विभागों/महाविद्यालयों/विश्वविद्यालयों में सदृश पद और वेतनमान में कार्यरत्त अधिकारियों में से सेकेन्डमैन्ट के आधार पर ।

(1) प्रोन्नति के सभी मामलों में पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्भरण पद में की गई लगातार तदर्थ सेवाएं यदि कोई हो प्रोन्नति के लिए इन नियमों में यथाविहित सेवाकाल के लिए इस शर्त के अधीन रहते हुए गणना में ली जाएगी कि सम्भरण प्रवर्ग में तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति भर्ती और प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार चयन की उचित स्वीकार्य प्रक्रिया को अपनाने के पश्चात की गई थी ।

परन्तु उन सभी मामलों में जिनमें कोई कनिष्ठ व्यक्ति सम्भरण पद में अपने कुल सेवाकाल (तदर्थ आधार पर की गई तदर्थ सेवा सहित जो नियमित सेवा/नियुक्ति के अनुसरण में हो) के आधार पर उपर्युक्त निर्दिष्ट उपबन्धों के कारण विचार किए जाने का पात्र हो जाता है, वहा अपने—अपने प्रवर्ग/पद/काडर में उससे वरिष्ठ सभी व्यक्ति विचार किए जाने के पात्र समझे जाएंगे और विचार करते समय कनिष्ठ व्यक्ति से उपर रखे जाएंगे ।

परन्तु यह और कि उन सभी पदधारियों की जिन पर प्रोन्नति के लिए विचार किया जाना है कम से कम तीन वर्ष की न्यूनतम अर्हता सेवा या पद के भर्ती और प्रोन्नति नियमों में विहित सेवा जो भी कम हो ए होगी :

परन्तु यह और भी कि जहां कोई व्यक्ति पूर्वगामी परन्तुक की अपेक्षाओं के कारण प्रोन्नति किए जाने सम्बन्धी विचार के लिए अपात्र हो जाता है, वहां उससे कनिष्ठ व्यक्ति भी ऐसी प्रोन्नति के विचार के लिए अपात्र समझा जाएगा/समझे जाएंगे ।

स्पष्टीकरण—अंतिम परन्तुक के अन्तर्गत कनिष्ठ पदधारी प्रोन्नति के लिए अपात्र नहीं समझा जाएगा, यदि वरिष्ठ अपात्र व्यक्ति भूतपूर्व सैनिक है जिसे डिमोबीलाइज्ड आर्म्ड फोर्सेज परसोनल (रिजर्वेशन आफ वैकेन्सीज इन हिमाचल स्टेट नान टैक्नीकल सर्विसीज) रूल्ज, 1972 के नियम-3 के उपबन्धों के अन्तर्गत भर्ती किया गया है और इनके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गए हों या जिसे एक्स सर्विसमैन (रिजर्वेशन आफ

वैकेन्सीज इन दी हिमाचल प्रदेश टैकनीकल सर्विसीज) रुल्ज, 1985 के नियम-3 के उपबन्धों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो और इनके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गए हों ।

(2) इसी प्रकार स्थाईकरण के सभी मामलों में ऐसे पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्भरण पद पर की गई लगातार तदर्थ सेवाए यदि कोई हो, सेवाकाल के लिए गणना में ली जाएगी, यदि तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति उचित चयन के पश्चात और भर्ती और प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार की गई थी:

परन्तु की गई उपर्युक्त निर्दिष्ट तदर्थ सेवा को गणना में लेने के पश्चात जो स्थाईकरण होगा उसके फलस्वरूप पारस्परिक वरीयता अपरिवर्तित रहेगी ।

12. यदि विभागीय प्रोन्नति समिति विद्यमान् हो, तो उसकी संरचना—जैसी सरकार द्वारा समय—समय पर गठित की जायें ।

13. भर्ती करने में किन परिस्थितियों में हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा—जैसा विधि द्वारा अपेक्षित है ।

14. सीधी भर्ती के लिए अनिवार्य अपेक्षा— किसी सेवा या पद पर नियुक्ति के लिए अभ्यर्थी किसी सेवा या पद पर नियुक्ति के लिए अभ्यर्थी का भारत का नागरिक होना अनिवार्य है ।

15. सीधी भर्ती द्वारा पद पर नियुक्ति के लिए चयन.—सीधी भर्ती के मामले में पद पर नियुक्ति के लिए चयन मौखिक परीक्षा के आधार पर किया जाएगा । यदि यथास्थिति हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग या अन्य भर्ती प्राधिकरण ऐसा करना आवश्यक या समीचित समझें तो लिखित परीक्षा या व्यवहारिक परीक्षा के आधार पर किया जाएगा, जिसका स्तर/पाठ्यक्रम यथास्थिति हि० प्र० लोक सेवा आयोग या अन्य भर्ती प्राधिकरण द्वारा अवधारित किया जाएगा ।

15.क संविदा नियुक्ति द्वारा पद पर नियुक्ति के लिए चयन.—(1) संकंकल्पना.—(क) इस नीति के अधीन हिमाचल प्रदेश तकनीकी शिक्षा विभाग में आचार्य (यांत्रिकी इंजीनियरिंग) को संविदा के आधार पर प्रारम्भ में एक वर्ष के लिए लगाया जाएगा, जिसे वर्षानुवर्ष आधार पर दो और वर्षों के लिए बढ़ाया जा सकेगा ।

(ख) पद का हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के कार्यक्षेत्र में आना.— प्रधान सचिव (तकनीकी शिक्षा), रिक्त पदों को संविदा के आधार पर भरने हेतु सरकार का अनुमोदन प्राप्त करने के पश्चात, अध्यपेक्षा को सम्बद्ध भर्ती अभिकरण अर्थात् हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के समक्ष रखेगा ।

(ग) चयन, इन नियमों में विहित पात्रता शर्तों के अनुसार किया जाएगा ।

(घ) इन नियमों के अधीन संविदा के आधार पर इस प्रकार चयनित व्यक्ति को, सरकारी सेवा में नियमितिकरण या स्थाई आमेलन का दावा करने का कोई अधिकार नहीं होगा ।

(II) संविदात्मक उपलब्धियां.—संविदा के आधार पर नियुक्त आचार्य (यांत्रिकी इंजीनियरिंग) को 24400/- रुपए की दर से नियत समेंकित संविदात्मक रकम (जो वेतनमान् के प्रारम्भिक जमा महंगाई वेतन के बराबर होगी) प्रतिमास संदर्भ की जाएगी । यदि संविदा में एक वर्ष से अधिक की बढ़ौतरी की जाती है तो क्रमशः द्वितीय और तृतीय वर्ष के लिए संविदात्मक उपलब्धियों में 450/-रुपए (पद के वेतनमान में वार्षिक वृद्धि के बराबर) वार्षिक वृद्धि के रूप में अनुज्ञात किए जाएंगे ।

(III) नियुक्ति/अनुशासन प्राधिकारी.—प्रधान सचिव (तकनीकी शिक्षा) हिमाचल प्रदेश सरकार नियुक्ति और अनुशासन प्राधिकारी होंगे ।

(IV) चयन प्रक्रिया—संविदा पर नियुक्ति की दशा में पद पर नियुक्ति के लिए चयन, मौखिक परीक्षा के आधार पर किया जाएगा या यदि आवश्यक या समीचीन समझा जाए तो लिखित परीक्षा या व्यवहारिक परीक्षा के आधार पर किया जाएगा, जिसका स्तर/पाठ्यक्रम सम्बद्ध भर्ती अभिकरण अर्थात् हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा अवधारित किया जाएगा ।

(V) संविदात्मक नियुक्तियों के लिए चयन समिति—जैसी सम्बद्ध भर्ती अभिकरण अर्थात् हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा समय—समय पर गठित की जाए ।

(VI) करार—अभ्यर्थी को चयन के पश्चात् इन नियमों से संलग्न उपाबन्ध—ख के अनुसार करार हस्ताक्षरित करना होगा ।

(VII) निबन्ध और शर्तें—(क) संविदा आधार पर नियुक्त व्यक्ति को 24,400/-रुपए की नियत संविदात्मक रकम (जो वतेनमान् के प्रारम्भिक जमा मंहगाई वेतन के बराबर होगी) प्रतिमास संदत्त की जाएगी । संविदा पर नियुक्त व्यक्ति क्रमशः द्वितीय और तृतीय वर्ष के लिए संविदात्मक रकम में 450/- रुपए की दर से (पद के वेतनमान में वार्षिक वृद्धि के बराबर) वार्षिक वृद्धि का हकदार होगा और अन्य कोई सहबद्ध सुविधाएं जैसे वरिष्ठ/चयन वेतनमान आदि नहीं दिया जाएगा ।

(ख) संविदा पर नियुक्त व्यक्ति की सेवा पूर्णत या अस्थाई आधार पर होंगी । नियुक्ति समाप्त किए जाने के लिए दायी होगी यदि संविदा पर नियुक्त व्यक्ति का कार्य/आचरण ठीक नहीं पाया जाता है ।

(ग) संविदात्मक नियुक्ति, पदधारी को किसी भी दशा में सेवा में नियमितिकरण का कोई अधिकार प्रदान नहीं करेगी ।

(घ) संविदा पर नियुक्त व्यक्ति एक मास की सेवा पूरी करने के पश्चात् एक दिन के आकस्मिक अवकाश का हकदार होगा । यह अवकाश एक वर्ष तक संचित किया जा सकेगा । संविदा पर नियुक्त व्यक्ति किसी भी प्रकार का अन्य कोई अवकाश अनुज्ञात नहीं होगा । वह चिकित्सा प्रतिपूर्ति और अवकाश यात्रा रियायत (एलटीसी) के लिए भी हकदार नहीं होगा/होगी केवल प्रसुति अवकाश, नियमानुसार दिया जाएगा ।

(ङ) नियन्त्रक अधिकारी के अनुमोदन के बिना सेवा से अनधिकृत अनुपस्थिति से स्वत ही संविदा की समाप्ति (पर्यावरण) हो जाएगी । संविदा पर नियुक्त व्यक्ति कर्तव्य (डयूटी) से अनुपस्थिति की अवधि के लिए संविदात्मक रकम का हकदार नहीं होगा ।

(च) संविदा पर नियुक्त व्यक्ति का एक स्थान से दूसरे स्थान के लिए स्थानान्तरण किसी भी दशा में अनुज्ञात नहीं किया जाएगा ।

(छ) चयनित अभ्यर्थी को सरकारी रजिस्ट्रीकृत चिकित्सा व्यवसायी से अपना आरोग्य प्रमाण—पत्र प्रस्तुत करना होगा । बारह सप्ताह से अधिक समय से गर्भवती महिला प्रसव होने तक अस्थाई तौर पर अनुपयुक्त समझी जाएगी । महिला अभ्यर्थियों का किसी प्राधिकृत चिकित्सा अधिकारी/व्यवसायी द्वारा उपयुक्तता के लिए पुनः परीक्षण किया जाएगा ।

(ज) संविदा पर नियुक्त व्यक्ति का यदि अपने पदीय कर्तव्यों सम्बन्ध में दौरे पर जाना अपेक्षित हो तो वह उसी दर पर जैसी नियमित अधिकारी को लागू है यात्रा भत्ते/दैनिक भत्ते का वेतनमान के न्यूनतम का हकदार होगा ।

(VIII) नियमित नियुक्ति के लिए दावा करने का अधिकार—इन नियमों के अधीन संविदा के आधार पर लगाए गए अभ्यर्थी को किसी भी दशा में विभाग में आचार्य (यांत्रिकी इंजीनियरिंग) के रूप में नियमितिकरण/स्थाई आमेलन का दावा करने का कोई अधिकार नहीं होगा ।

16. आरक्षण—सेवा में नियुक्ति हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा समय-समय पर अनुसूचित जातियों अनुसूचित जनजातियों/पिछड़े वर्ग और अन्य प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए सेवाओं में आरक्षण की बाबत जारी किए गये आदेशों के अध्यधीन होगी ।

17. विभागीय परीक्षा—सेवा में प्रत्येक सदस्य को हिमाचल प्रदेश विभागीय परीक्षा नियम, 1997 में यथाविहित विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी ।

18. शिथिल करने की शक्ति—जहां राज्य सरकार की यह राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचिन है वहां वह कारणों को अभिलिखित करके और हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से आदेश द्वारा इन नियमों के किन्हीं उपबन्ध (उपबन्धों) को, किसी वर्ग या व्यक्ति (यों) के प्रवर्ग या पद (पदों) की बाबत शिथिल कर सकेगी ।

उपाबन्ध—ख

..... (पद का नाम) और हिमाचल प्रदेश सरकार के मध्य..... (नियुक्ति प्राधिकारी का पद नाम) के माध्यम से, निष्पादित की जाने वाली संविदा/करार का प्रारूप

यह करार श्री/श्रीमति..... पुत्र/पुत्री श्री..... निवासी..... संविदा पर नियुक्त व्यक्ति (जिसे इसमें इसके पश्चात “प्रथम पक्षकार” कहा गया है) और हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल के मध्य..... (नियुक्ति प्राधिकारी का पदनाम) (जिसे इसमें इसके पश्चात “द्वितीय पक्षकार” कहा गया है) के माध्यम से आज तारीख को किया गया ।

“द्वितीय पक्षकार” ने उपरोक्त “प्रथम पक्षकार” को लगाया है और प्रथम पक्षकार ने..... (पद का नाम) के रूप में संविदा के आधार पर निम्नलिखित निबन्धन और शर्तों पर सेवा करने के लिए सहमति दी है

1. यह कि प्रथम पक्षकार.....(पद का नाम) के रूप मेंसे प्रारम्भ होने और को समाप्त होने वाले दिन तक एक वर्ष की अवधि के लिए द्वितीय पक्षकार की सेवा में रहेगा । यह विनिर्दिष्ट रूप से उल्लिखित किया गया है और दोनों पक्षकारों द्वारा करार पाया गया है कि प्रथम पक्षकार की द्वितीय पक्षकार के साथ संविदा आखिरी कार्य दिवस अर्थात दिन को स्वयंमेव ही समाप्त (पर्यवसित) समझी जाएगी और सूचना नोटिस आवश्यक नहीं होगा ।

2. प्रथम पक्षकार की संविदात्मक रकम रुपए प्रतिमाह होगी ।

3. प्रथम पक्षकार की सेवा बिल्कुल अस्थाई आधार पर होगी । यदि संविदा पर नियुक्त व्यक्ति का कार्य/आचरण ठीक नहीं पाया जाता है या यदि निमित पदधारी उस रिवित के विरुद्ध नियुक्त तैनात कर दिया जाता है जिसके लिए प्रथम पक्षकार को लगाया गया है तो नियुक्ति समाप्त किए जाने के लिए दायी होगी ।

4. संविदात्मक नियुक्ति, किसी भी दशा में सेवा में नियमितिकरण के लिए पदधारी को कोई अधिकार प्रदान नहीं करेगी ।

5. संविदा पर नियुक्त(पद का नाम), एक मास की सेवा पूरी करने के पश्चात एक दिन के आकस्तिक अवकाश का हकदार होगा । यह अवकाश एक वर्ष तक संचित किया जा सकेगा । संविदा पर नियुक्त (पद का नाम) को, किसी भी प्रकार का अन्य कोई अवकाश अनुज्ञात नहीं होगा । वह चिकित्सा

प्रतिपूर्ति और एल0 टी0 सी0 इत्यादि के लिए भी हकदार नहीं होगा/होगी । केवल प्रसूति अवकाश, नियमानुसार दिया जाएगा ।

6. नियन्त्रण अधिकारी के अनुमोदन के बिना कर्तव्यों से अनधिकृत अनुपस्थिति से स्वतः ही संविदा का समापन (पर्यावरण) हो जाएगा । संविदा पद नियुक्त(पद का नाम) कर्तव्य (डयूटी) से अनुपस्थिति की अवधि के लिए संविदात्मक रकम लेने का हकदार नहीं होगा ।

7. संविदा पर नियुक्त अधिकारी का, एक स्थान से दूसरे स्थान के लिए स्थानान्तरण किसी भी दशा में अनुज्ञात नहीं होगा ।

8. चयनित अभ्यर्थी को सरकारी/रजिस्ट्रीकृत चिकित्सा व्यवसायी से अपना आरोग्य प्रमाण—पत्र प्रस्तुत करना होगा । महिला अभ्यर्थियों की दशा में बारह सप्ताह से अधिक की गर्भावस्था प्रसव होने तक उसे अस्थाई तौर पर अनुपयुक्त बना देगी । महिला अभ्यर्थियों का किसी प्राधिकृत चिकित्सा अधिकारी/व्यवसायी द्वारा उपयुक्तता के लिए पुनर परीक्षण किया जाना चाहिए ।

9. संविदा पर नियुक्त व्यक्ति का, यदि अपने पदीय कर्तव्यों के सम्बन्ध में दौरे जाना अपेक्षित हो तो वह उसी दर पर जैसी नियमित प्रतिस्थानी अधिकारी को वेतनमान के न्यूनतम पर लागू है यात्रा भत्ते/दैनिक भत्ते का हकदार होगा/होगी ।

10. संविदा पर नियुक्त व्यक्ति (यों) को सामूहिक जीवन बीमा योजना के साथ साथ इ0 पी0 एफ0/जी0 पी0 एफ0 भी लागू नहीं होगा ।

इसके साक्ष्य स्वरूप प्रथम पक्षकार और द्वितीय पक्षकार ने साक्षियों की उपस्थिति में इसमें सर्वप्रथम उल्लिखित तारिख को अपने—अपने हस्ताक्षर कर दिए हैं ।

साक्षी की उपस्थिति में

1.

.....
(नाम व पूरा पता)

2.

.....
(नाम व पूरा पता)

प्रथम पक्षकार के हस्ताक्षर

साक्षियों की उपस्थिति में

1.

.....
(नाम व पूरा पता)

2.

.....
(नाम व पूरा पता)

द्वितीय पक्षकार के हस्ताक्षर

[Authoritative English text of this Department Notification No. EDN (TE) A(1)1 /2006 dated as required under Article 348 (3) of the Constitution of India].

TECHNICAL EDUCATION , VOCATIONAL & INDUSTRIAL TRAINING DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-171002, 26th September, 2008

No. EDN(TE)A(1)1/2006.—In exercise of the powers conferred by proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor of Himachal Pradesh, in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission, is pleased to make the Recruitment and Promotion Rules for the post of Professor (Mechanical Engineering) Class-I (Gazetted) in the Department of Technical Education, Vocational & Industrial Training, Himachal Pradesh as per Annexure-A attached to this notification, namely :—

1. *Short title and Commencement.*—(i) These Rules may be called the Himachal Pradesh Technical Education ,Vocational & Industrial Training Department , Professor (Mechanical Engineering) Class-I (Gazetted) Recruitment and Promotion Rules,2008.

(2) These Rules shall come into force from the date of publication in the Raj patra, Himachal Pradesh.

By order,
Sd/-
Secretary.

Annexure-“A”

RECRUITMENT AND PROMOTION RULES FOR THE POST OF PROFESSOR (MECHANICAL ENGINEERING (CLASS-I, GAZETTED), IN THE DEPARTMENT OF TECHNICAL EDUCATION, VOCATIONAL & INDUSTRIAL TRAINING

1. *Name of the Post.*—Professor (Mechanical Engineering)
2. *Number of posts.*—01 (One)
3. *Classification.*—Class-I (Gazetted)
4. *Scale of Pay.*—Rs. 16400-450-20900-500-22400.
5. *Whether Selection Post or Non-selection.*—Selection.
6. *Age for direct recruitment.*—45 years or below.

Provided that the upper age limit for direct recruits will not be applicable to the candidates already in service of the Government including those who have been appointed on ad-hoc or on

contract basis;Provided further that if a candidate appointed on ad-hoc basis or on contract basis had become overage on the date when he was appointed as such he shall not be eligible for any relaxation in the prescribed age limit by virtue of his such ad-hoc or contract appointment;

Provided further that upper age limit is relaxable for scheduled castes/Scheduled Tribes/Other categories of persons to the extent permissible under the general or special order(s) of the Himachal Pradesh Government;

Provided further that the employees of all the Public Sector Corporations and Autonomous Bodies who happened to be Government Servant before absorption in Public Sector Corporations/Autonomous Bodies at the time of initial constitution of such Corporations/Autonomous Bodies shall be allowed age concession in direct recruitment as admissible to Government servants. This concession will not, however, be admissible to such staff of the Public Sector Corporations/Autonomous Bodies who were/are subsequently appointed by such corporations/Autonomous Bodies who are/were finally absorbed in the service of such Corporations/Autonomous Bodies after initial Constitution of the Public Sector Corporations/ Autonomous Bodies.

(1) Age limit for direct recruitment will be reckoned on the first day of the year in which the post(s) is/are advertised for inviting applications or notified to the Employment Exchanges or as the case may be.

(2) Age and experience in the case of direct recruitment relax able at the discretion of the Himachal Pradesh Public Service Commission in case of candidate is otherwise well qualified:

7. Minimum Educational and other qualifications required for direct recruits.—
ESSENTIAL QUALIFICATION: QUALIFICATION AND EXPERIENCE FOR CANDIDATES FROM TEACHING.—Ph.D Degree (with first class Degree at bachelor's or Master's level) in the appropriate branch of Engineering/Technology with 10 years experience in Teachning / Industry / research out of which 05 years must be at the level of Assistant Professor or equivalent.

QUALIFICATION & EXPERIENCE FOR CANDIDATES FROM INDUSTRY AND PROFESSION.—Candidates form Industry / Profession with master's Degree in Engineering/Technology and with professional work , which is significant and can be recognised as equivalent to Ph.D Degree and with 10 years experience of which at least 05 years should be at a senior level comparable to that of an Assistant professor would also be eligible.

2. DESIRABLE QUALIFICATIONS.—(i) Knowledge of customs, manners and dialects of Himachal Pradesh and suitability for appointment in the peculiar conditions prevailing in the Pradesh.

8. Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of the promotee.—**Age.—**No

Educational Qualification.—Yes.

9. Period of Probation, if any **Two** years subject to such further extension for a period not exceeding one year as may be ordered by the competent authority in special circumstances and reasons to be recorded in writing.

10. Method of recruitment, whether by direct recruitment or by promotion, deputation, transfer and the percentage of posts to be filled in by various methods.—100% by promotion failing which on secondment basis failing both by direct recruitment on regular basis or on contract basis.

11. In case of recruitment by promotion, deputation, transfer, grade from which promotion deputation /transfer is to be made.—By promotion from amongst the Assistant professor (Mechanical Engineering) who possess 05 years regular service or regular combined with continuous adhoc service rendered, if any, in the grade failing which on secondment basis from amongst the officers working in the analogous post and pay scale from other H.P. Govt. Departments/Colleges/ Universities.

(1) In all cases of promotion, the continuous adhoc service rendered in the feeder posts, if any, prior to regular appointment to the post shall be taken into account towards the length of service as prescribed in these rules for promotion subject to the condition that adhoc Appointment/ promotion in the feeder category had been made after following proper acceptable process of selection in accordance with the provisions of R&P Rules;

(i) In all cases where a junior person becomes eligible for consideration by virtue of his/her total length of service (including the service rendered on adhoc basis, followed by regular service/ appointment) in the feeder post in view of the provisions referred to above, all persons senior to him/her in the respective category/post /cadre shall be deemed to be eligible for consideration and placed above the Junior persons in the field of consideration.

Provided further that all incumbents to be considered for promotions shall possess the minimum qualifying service of at least three years or that prescribed in the Recruitment and Promotion Rules for the Post whichever is less;

Provided further that where a junior person becomes ineligible to be considered for promotion on account of the requirements of the preceding proviso, the person(s) junior to him shall also be deemed to be ineligible for consideration of such promotion.

Explanation.—The last proviso shall not render the junior incumbent(s) in eligible for consideration for promotion if the senior ineligible persons happened to be Exservicemen recruited under the provisions of Rule-3 of the Demobilized Armed Forces Personnel (Reservation of vacancies in Himachal Pradesh State Non-Technical Services) Rules, 1972 and having been given the benefit of seniority there-under or recruited under the provisions of Rules-3 of the Ex-servicemen (Reservation of vacancies in the Himachal Pradesh Technical Services)Rules,1985 and having been given the benefit of seniority there under.

(2) Similarly, in all cases of confirmation, continuous adhoc service rendered on the feeder post, if any, prior to the regular appointment against such post shall be taken into account towards the length of service, if the adhoc appointment/promotion had been made after proper selection and in accordance with the provisions of the R&P Rules.

Provided that inter-se-seniority as a result of confirmation after taking into account, adhoc service as referred to above shall remain unchanged.

12. If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition.—As may be constituted by the Govt. from time to time.

13. Circumstances under which the HPPSC is to be consulted in making recruitment.—As required under the Law.

14. Essential requirement for a direct recruitment.—A Candidate for appointment to any service or post must be a citizen of India.

15. Selection for appointment to post by direct recruitment.—Selection for appointment to the post in the case of direct recruitment (regular) shall be made on the basis of viva-voce test, if Himachal Pradesh Public Service Commission or other recruiting authority, as the case may be, so consider necessary or expedient by a written test or practical test, the standard/ syllabus etc., of which will be determined by the Commission/ other recruiting authority as the case may be.

15-A (Selection for appointment to the post by Contract appointment

(1) CONCEPT.—(a) Under this policy the Professor (Mechanical Engineering) in Department of Technical Education H.P. will be engaged on contract basis initially for one year, which may be extendable for two more years on year to year basis.

(b) POST FALLS WITHIN THE PURVIEW Of H.P. Public Service Commission: The Principal Secretary (Tech. Edu.) after obtaining the approval of the Government to fill up the vacant posts on contract basis will place the requisition with the concerned recruiting agency i.e. **H.P. Public Service Commission.**

(c) The selection will be made in accordance with the eligibility conditions prescribed in these Rules.

(d) Contract appointee so selected under these Rules will not have any right to claim for regularization or permanent absorption in the Government job.

(II) CONTRACTUAL EMOLUMENTS.—The Professor (Mechanical Engineering) appointed on contract basis will be paid consolidated fixed contractual amount Rs. 24400/- (which shall be equal to initial of the pay scale + Dearness pay). An amount of Rs. 450/- (equal to annual increase in the pay scale of the post) as per annual increase in contractual emoluments for the second and third years respectively will be allowed if contract is extended beyond one year.

(III) APPOINTING/DISCIPLINARY AUTHORITY.—The Principal Secretary (Tech. Edu.) H.P. will be appointing and disciplinary authority.

(IV) SELECTION PROCESS.—Selection for appointment to the post in the case of Contract Appointment will be made on the basis of viva-voce test or if consider necessary or expedient by a written test or practical test the standard/ syllabus etc. of which will be determined by the concerned recruiting agency i.e. **H.P. Public Service Commission.**

(V) COMMITTEE FOR SELECTION OF CONTRACTUAL APPOINTMENTS.—As may be constituted by the concerned recruiting agency i.e. **the H.P. Public Service Commission** from time to time.

(VI) AGREEMENT.—After selection of a candidate, he/she shall sign an agreement as per Annexure-B appended to these rules.

(VII) TERMS AND CONDITIONS.—(a) The Contract appointee will be paid fixed contractual amount @ Rs.24400/- per month (which shall be equal to initial of the pay scale +dearness pay). The Contract Appointee will be entitled for increase in contractual amount @ Rs.450/- (equal to annual increase in the pay scale) per annum for second and third years respectively and no other allied benefits such as senior/selection scales etc. shall be given.

(b) The service of the Contractual Appointee will be purely on temporary basis. The appointment is liable to be terminated in case the performance/conduct of the contract appointee is not found satisfactory.

(c) Contractual appointment shall not confer any right to incumbent for the regularization in service at any stage.

(d) Contractual Appointee will be entitled for one day casual leave after putting one month service. This leave can be accumulated up to one year. No leave of any other kind is admissible to the contract appointee. He/She shall not be entitled for Medical Re-imbursement and LTC etc. only maternity leave will be given as per rules.

(e) Unauthorized absence from the duty without the approval of the controlling Officer shall automatically lead to the termination of the contract. Contract Appointee shall not be entitled for contractual amount for the period of absence from duty.

(f) Transfer of a contract appointee will not be permitted from one place to another in any case.

(g) Selected candidate will have to submit a certificate of his/her fitness from a Government/ Registered Medical Practitioner. Women candidate pregnant beyond 12 weeks will stand temporarily unfit till the confinement is over. The women candidate will be re-examined for the fitness from an authorized Medical Officer/ Practitioner.

(h) Contract appointee will be entitled to TA/DA if required to go on tour in connection with his/her official duties at the same rate as applicable to regular officer at the minimum of the pay scale.

(VIII) RIGHT TO CLAIM REGULAR APPOINTMENT.—The candidate engaged on contract basis under these Rules shall have no right to claim for regularization/permanent absorption as Professor (Mechanical Engineering) in the Department at any stage.

16. Reservation.—The appointment to the service shall be subject to orders regarding reservation in the service for Scheduled Castes/Scheduled Tribes/ Backward Classes/other categories of persons issued by the Himachal Pradesh Government from time to time.

17. Departmental Examination.—Every member of the service shall pass a departmental examination as prescribed in the Himachal Pradesh Departmental Examination Rules, 1997 .

18. Power to Relax.—Where the State Govt. is of the opinion that it is necessary or expedient to do so, it may, by orders for reasons to be recorded in writing and in consultation with the HPPSC, relax any of the provisions of these Rules with respect to any class or category of persons or posts.

Form of contract / agreement to be executed between the _____(Name of the post) and the Government of Himachal Pradesh through _____(Designation of the Appointing Authority).

This agreement is made on this _____ day of _____ in the year _____ Between Sh./Smt. _____ S/O/ D/O Shri _____ R/O _____ Contract appointee (hereinafter called the FIRST PARTY), AND the Governor of Himachal Pradesh through _____(Designation of the Appointing Authority) Himachal Pradesh (here-in-after the SECOND PARTY). Whereas, the SECOND PARTY has engaged the aforesaid FIRST PARTY and the FIRST PARTY has agreed to serve as a _____ (Name of the post) on contract basis on the following terms & conditions.

1. That the FIRST PARTY shall remain in the service of the SECOND PARTY as a _____ (Name of the post) for a period of 1 year commencing on day of _____ and ending on the day of _____. It is specifically mentioned and agreed upon by both the parties that the contract of the FIRST PARTY with SECOND PARTY shall iso- facto stand terminated on the last working day i.e. on _____ and information notice shall not be necessary .

2. The Contractual amount of the FIRST PARTY will be Rs._____ per month.

3. The service of FIRST PARTY will be purely on temporary basis. The appointment is liable to be terminated in case the performance/ conduct of the contract appointee is not found good or if a regular incumbent is appointed / posted against the vacancy for which the first party was engaged on contract.

4. The contractual appointment shall not confer any right to incumbent for the regularization of service at any stage.

5. Contractual _____ (Name of the post) will be entitled for one day casual leave after putting in one month service . This leave can be accumulated upto one year. No leave of any kind is admissible to the contractual _____ (Name of the post). He will not be entitled for Medical Reimbursement and LTC etc. Only maternity leave will be given as per Rules.

6. Unauthorized absence from the duty without the approval of the controlling Officer shall automatically lead to the termination of the contract. A contractual _____ (Name of the post) will not be entitle for contractual amount for the period of absence from duty.

7. Transfer of a official appointed on contract basis will not be permitted from one place to another in any case.

8. Seclected candidate will have to submit a certificate of his / her fitness from a Government /Registered Medical Practitioner. In case of women candidates pregnant beyond twelve weeks will render her temporarily unfit till the confinement is over. The women candidate should be re-examined for fitness from an authorized Medical Officer / Practitioner.

9. Contract appointee shall be entitled to TA / DA if required to go on tour in connection with his official duties at the same rate as applicable to regular counterpart official, at the minimum of the pay scale.

10. The Employees Group insurance Scheme as well as EPF / GPF will not be applicable to contractual appointee(S).

IN WITNESS the FIRST PARTY AND SECOND PARTY have herein to set their hands the day, month and year first, above written.

IN THE PRESENCE OF WITNESS :

1. _____

(Name and Full Address).

(Signature of the FIRST PARTY)

2. _____

(Name and Full Address)

(Signature of the SECOND PARTY).

ब अदालत कार्यकारी दण्डाधिकारी एवं तहसीलदार नूरपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश
श्री तिलक राज पुत्र श्री सरण दास, महाल ग्यौरा, तहसील नूरपुर, जिला कांगड़ा (हि० प्र०) वादी।

बनाम

आम जनता

दरख्वास्त जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम आम जनता।

श्री तिलक राज पुत्र श्री सरण दास, महाल ग्यौरा ने इस अदालत में प्रार्थना—पत्र गुजारा है कि उसके पोते का जन्म दिनांक 16—5—2005 को बाहर हुआ था परन्तु अज्ञानतावश से उसका जन्म पंचायत रिकार्ड छतरौली में न करवा सका। अब दर्ज करने के आदेश दिए जाएं।

इस इश्तहार द्वारा आम जनता व सम्बन्धित रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को उक्त मेरे पोते की जन्म तिथि 16—5—2005 बारे कोई एतराज हो तो वह अपना एतराज दिनांक 21—10—2008 को प्रातः 10.00 बजे हाजिर अदालत आकर पेश कर सकता है। अन्यथा एकतरफा कार्यवाही अमल में लाते हुए प्रमाण—पत्र जारी करने के आदेश दिए जाएंगे।

आज दिनांक 18—9—2008 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित /—
तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,
नूरपुर, जिला कांगड़ा (हि० प्र०)।

ब अदालत कार्यकारी दण्डाधिकारी एवं तहसीलदार नूरपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

श्री दुर्गा दास पुत्र श्री वेली राम, महाल जसालता, वार्ड नं० 7, तहसील नूरपुर, जिला कांगड़ा, (हि० प्र०) वादी।

बनाम

आम जनता

प्रतिवादीगण।

दरख्यास्त जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम आम जनता।

श्री दुर्गा दास पुत्र श्री वेली राम, महाल जसालता, वार्ड नं० 7, नूरपुर ने इस न्यायालय में प्रार्थना-पत्र गुजारा है कि उसकी बहन दर्शना कुमारी की मृत्यु दिनांक 23-6-2002 को हुई थी अज्ञानतावश से उसका नाम नगर पालिका नूरपुर में दर्ज न करवा सका था। अब दर्ज करने के आदेश दिए जावें।

इस इश्तहार द्वारा आम जनता व सम्बन्धित रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को उक्त उसकी बहन दर्शना कुमारी की मृत्यु तिथि 23-6-2002 बारे कोई एतराज हो तो वह अपना एतराज दिनांक 6-11-2008 को प्रातः 10.00 बजे हाजिर अदालत आकर पेश कर सकता है। अन्यथा एकतरफा कार्यवाही अमल में लाते हुए प्रमाण-पत्र जारी करने के आदेश दिए जाएंगे।

आज दिनांक 18-9-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित/-
तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,
नूरपुर, जिला कांगड़ा (हि० प्र०)।

ब अदालत श्री रामजीत कार्यकारी दण्डाधिकारी, बड़ोह, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

मुकद्दमा नं० 2, 3, 4, 5 / 2008 (M)

तारीख पेशी 10-11-2008.

मन्जू देवी

बनाम

आम जनता आदि।

विषय—प्रार्थना-पत्र तहत जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु अधिनियम, 1968 पंचायत के रिकार्ड में नाम व जन्म तिथि दर्ज करवाने बारे।

इश्तहार बनाम आम जनता आदि।

प्रार्थिया मन्जू देवी पत्नी श्री जगदीश चन्द, निवासी महाल सुरानी, मौजा (जगनी) जसाइ, तहसील बड़ोह ने इस अदालत में एक प्रार्थना-पत्र मय जन्म प्रमाण पत्रों व हल्किया व्यान गुजारे हैं कि उसके घर में एक लड़का जसविन्दर सिंह जन्म तिथि 24-12-1994 व तीन लड़कियां क्रमशः सपना देवी जन्म तिथि 1-9-1996, पूजा देवी जन्म तिथि 5-9-1999 तथा मनदीप कौर जन्म तिथि 2-10-2003 को पैदा हुए हैं, लेकिन वह अज्ञानतावश अपनी ग्राम पंचायत के पंजीयन रिकार्ड में दर्ज न करवा सकी है, अब दर्ज करने बारे अदालत से अनुरोध किया है।

सायला के प्रार्थना-पत्रों को ध्यान में रखते हुए सर्वसाधारण (आम जनता) को इस इश्तहार द्वारा सूचित किया जाता है कि उपरोक्त बच्चों के नाम व जन्म तिथियां पंचायत के पंजीयन रिकार्ड में दर्ज करने

बारे किसी भी व्यक्ति को कोई उजर/एतराज हो तो वह असालतन या वकालतन इस अदालत में तारीख पेशी 10-11-2008 को प्रातः 10.00 बजे हाजिर आकर कर सकता है। हाजिर न आने की सूरत में यकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जाकर मुकद्दमात की सुनवाई व अन्तिम आदेश पारित कर दिए जाएंगे, बाद में कोई भी उजर/एतराज नहीं सुना जाएगा और न ही मान्य होगा।

आज दिनांक 11-9-2008 को मोहर अदालत व मेरे हस्ताक्षर द्वारा जारी हुआ।

मोहर।

रामजीत,
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
बड़ोह, जिला कांगड़ा (हि० प्र०)।

ब अदालत श्री राजेन्द्र प्रसाद, सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी, उप-तहसील धीरा, जिला कांगड़ा,
हिमाचल प्रदेश

मु० नं० 01/08

ब मुकद्दमा : तकसीम

तारीख पेशी 4-11-08

दावा : तकसीम

बमुकद्दमा :

वृज लाल

बनाम

ओंकार चन्द आदि।

मिसल तकसीम जेर धारा 123 हिमाचल प्रदेश भू-राजस्व अधिनियम, 1956, महाल पीरा, मौजा सझूं
सब-तहसील धीरा, जिला कांगड़ा (हि० प्र०)।

नोटिस बनाम प्रतिवादीगण क्र० नं० 3. राजेश कुमार, 4. विपन कुमार पुत्रान सुभाष चन्द पुत्र ओंकार
चन्द पुत्र काशी, 5. कान्ता देवी पत्नी सुभाष चन्द पुत्र ओंकार चन्द, 6. सन्जे कुमार पुत्र प्रधान सिंह पुत्र रुधना
उप नाम रघुनाथ, सभी निवासी महाल पीरा, मौजा रझूं सब तहसील धीरा, जिला कांगड़ा हिमाचल प्रदेश
प्रतिवादीगण।

मुकद्दमा उपरोक्त में प्रतिवादीगण को समन भेजे गए किन्तु सही पता न होने के कारण समनात की
तामील आसान तरीके से न हो सकी। अतः प्रतिवादीगण को इस राजपत्र इश्तहार से सूचित किया जाता है
कि वे उपरोक्त मुकद्दमा की पैरवी हेतु दिनांक 4-11-2008 को प्रातः 10.00 बजे असालतन या वकालतन
हाजिर होवे अन्यथा गैरहाजरी की सूरत में कार्यवाही एक तरफा अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 11-9-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

राजेन्द्र प्रसाद,
सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी,
उप-तहसील धीरा, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री राजेन्द्र प्रसाद, सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी, उप-तहसील धीरा, जिला कांगड़ा,
हिमाचल प्रदेश

मु० नं० 02/08

ब मुकद्दमा : तकसीम

तारीख पेशी 4-11-08

ब मुकदमा :

वृज लाल आदि

बनाम

ओंकार चन्द आदि ।

मिसल तकसीम जेर धारा 123 हिमाचल प्रदेश भू-राजस्व अधिनियम, 1956, महाल पीरा, मौजा रङ्गू सब-तहसील धीरा, जिला कांगड़ा (हिं0 प्र0)।

नोटिस बनाम प्रतिवादीगण क्र0 नं0 3. चुनी लाल, 4. जगदीश चन्द, 5. केदार नाथ पुत्रान सुखदेव पुत्र वाली भादर, 6. तारो देवी पत्नी सुखदेव पुत्र वाली धार, सभी निवासी महाल पीरा, मौजा रङ्गू सब-तहसील धीरा, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश प्रतिवादीगण।

मुकदमा उपरोक्त में प्रतिवादीगण को समन भेजे गए किन्तु प्रतिवादीगण इतलाह लेने से इन्कारी है। इसलिए प्रतिवादीगण की तामील आसान तरीके से होना मुश्किल है। अतः प्रतिवादीगण को इस राजपत्र इश्तहार से सूचित किया जाता है कि वे उपरोक्त मुकदमा की पैरवी हेतु दिनांक 4-11-2008 को प्रातः 10.00 बजे असालतन या वकालतन हाजिर अदालत आएं अन्यथा गैरहाजरी की सूरत में कार्यवाही एक तरफा अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 11-9-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

राजेन्द्र प्रसाद,
सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी,
उप-तहसील धीरा, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री राजेन्द्र प्रशाद, नायब तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी, उप-तहसील धीरा, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

मुकदमा शीर्षक

मु0 नं0 11 / 2008

तारीख पेशी 4-11-08

कृष्ण कुमार पुत्र उमदा राम, निवासी महाल होड़ा, मौजा रङ्गू उपतहसील धीरा, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश प्रार्थी।

बनाम

आम जनता

उनवान मुकदमा— दरुस्ती नाम।

कृष्ण कुमार पुत्र उमदा राम, निवासी महाल होड़ा, ने इस न्यायालय में प्रार्थना—पत्र मय शपथ—पत्र इस आशय से पेश किया है कि उसका असल नाम कृष्ण कुमार पुत्र उमदा राम है, लेकिन राजस्व रिकार्ड में उसका नाम वाडू राम दर्ज चला आ रहा है जो कि गलत है। अतः उसका नाम राजस्व रिकार्ड में वरदू राम के बजाए वरदू उप नाम कुष्ण कुमार पुत्र उमदा राम दर्ज करने की कृपा करें।

अतः आम जनता व आम खास को इस इश्तहार द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त नाम की दरुस्ती बारे कोई उजर या एतराज हो तो वह दिनांक 4-11-2008 को प्रातः 10.00 बजे असालतन या वकालतन हाजिर आकर उजर पेश कर सकता है। बसूरत गैरहाजरी एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 9-9-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

राजेन्द्र प्रशाद,
नायब तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता, द्वितीय श्रेणी,
उप-तहसील धीरा, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री आर० डी० हरनोट, नायब तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

मुकद्दमा नं० 1 / NT

श्री नरेश कुमार

बनाम

आम जनता।

विषय.—प्रार्थना—पत्र जेर धारा 13(3) हि० प्र० पंजीकरण अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम आम जनता।

श्री नरेश कुमार पुत्र श्री जगदीश चन्द, निवासी शियोल, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा ने इस अदालत में शपथ—पत्र सहित मुकद्दमा दायर किया है कि उसके पुत्र अभिषेक कुमार की जन्म तिथि 17-7-2004 है परन्तु ग्राम पंचायत शियोल में जन्म पंजीकृत न है। अतः इसे पंजीकृत किए जाने के आदेश किए जाएं। इस नोटिस के द्वारा समस्त जनता को तथा सम्बन्धित सम्बन्धियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को उपरोक्त बच्चे अभिषेक कुमार के जन्म पंजीकरण किए जाने बारे कोई एतराज हो तो वह अपना एतराज हमारी अदालत में दिनांक 25-10-2008 को असालतन या वकालतन हाजिर आकर अपना एतराज पेश कर सकता है अन्यथा मुताबिक शपथ—पत्र जन्म तिथि पंजीकृत किए जाने बारे आदेश पारित कर दिए जाएंगे।

आज दिनांक 25-9-2008 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया।

मोहर।

एच० आर० भाटिया,
तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी धर्मशाला,
जिला कांगड़ा (हि० प्र०)।

ब अदालत श्री मनोज कुमार नायब तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी, बैजनाथ, जिला कांगड़ा हिमाचल प्रदेश

मिस्ल नं० 41 / NT / 06

अनवान : तकसीम भूमि

श्री अलमर्जी राम पुत्र श्री डुमणू राम, निवासी धरेड़, तहसील बैजनाथ, जिला कांगड़ा हिमाचल प्रदेश प्रार्थी।

बनाम

1. भोजी पुत्री जीतू 2. प्रेम चन्द, 3. कर्म चन्द पुत्रान किरपू निवासी धरेड़, तहसील बैजनाथ, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश प्रतिवादीगण।

तकसीम बाबत भूमि खाता नम्बर 30, खतौनी नम्बर 209, खसरा नम्बर 606, 607, 608, 609, 610, 612, 613, 618, किता 8, रकबा तादादी 1-12-94 है0, वाक्या महाल धरेड़, मौजा धधोल, तहसील बैजनाथ।

उपरोक्त मुकद्दमा इस अदालत में विचाराधीन है इसमें प्रतिवादिगण को कई बार समन जारी किए गए मगर साधारण तरीके से समनों की तामील नहीं हो रही है। अतः उक्त प्रतिवादिगणों को सूचित किया जाता है कि इस केस के बारे कोई भी एतराज हो तो वह दिनांक 31-10-2008 को अधोहस्ताक्षरी की अदालत में असालतन या वकालतन हाजिर होकर पेश कर सकता है। गैर हाजरी की सूरत में एक तरफा कार्यवाही की जाएगी।

आज दिनांक 9-9-2008 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया।

मोहर।

मनोज कुमार,
नायब तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी,
बैजनाथ, जिला कांगड़ा हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री पी0 सी0 नेगी, कार्यकारी दण्डाधिकारी, रोहडू, जिला शिमला (हि0 प्र0)

श्री लायक राम झामटा पुत्र श्री गोपाल सिंह, निवासी बजेशल, तहसील रोहडू, जिला शिमला (हि0 प्र0)
. . प्रार्थी।

बनाम

आम जनता

दरख्वास्त जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

उपरोक्त मुकद्दमा उनवान वाला में प्रार्थी श्री लायक राम झामटा पुत्र श्री गोपाल सिंह, निवासी बजेशल, तहसील रोहडू, जिला शिमला (हि0 प्र0) ने इस कार्यालय में गुजारिश की है कि उसके पुत्र श्री दीपक के नाम के साथ “झामटा” दर्ज करके उसे “दीपक झामटा” के नाम से दुरुस्त किया जाये।

अतः आम जनता को बजरिया इश्तहार राजपत्र सूचित किया जाता है कि उपरोक्त नाम दुरुस्ती के बारा किसी को कोई उजर व एतराज हो जो वह दिनांक 20-10-2008 को असालतन या वकालतन इस कार्यालय में सुबह 10.00 बजे हाजिर आवें तथा अपने उजर पेश करें अन्यथा दिगर कार्यवाही अमल में लाई जावेगी।

आज दिनांक 18-9-2008 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी किया गया।

मोहर।

पी0 सी0 नेगी,
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
रोहडू, जिला शिमला (हि0 प्र0)।

ब अदालत सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी, पांवटा साहिब, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश

मिसल नम्बर 06 / 2006

तारीख पेशी 7-11-08

मिसल तकसीम जेरे 123 हिमाचल प्रदेश भू-राजस्व अधिनियम, 1954 वाका मौजा तहसील जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश।

ब मुकद्दमा :

सुरत सिंह

बनाम

आम जनता

इश्तहार नोटिस बनाम प्रतिवादीगण नम्बर 6 (d)

श्रीमति सन्तोष w/o राम कुमार।

मुकद्दमा उपरोक्त में प्रतिवादीगण की तलबी आसान तरीके से न हो पा रही है।

अतः प्रतिवादीगण को इस नोटिस/इश्तहार से सूचित किया जाता है कि वे उपरोक्त मुकद्दमे की पैरवी हेतु मिति 7-11-2008 को प्रातः 10 बजे असालतन या वकालतन हाजिर अदालत होवे अन्यथा गैर हाजरी की सूरत में कार्यवाही एकतरफा अमल में लाई जावेगी।

आज दिनांक 18-9-2008 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी किया गया।

मोहर।

हस्ताक्षरित/-
सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी,
पांवटा साहिब, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री Narinder Sharma, मैरिज ऑफिसर एवम् उप-मण्डल दण्डाधिकारी हमीरपुर,
जिला हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश

1. Shri Rattan Chand aged 50 years s/o Shri Khazana, r/o Village Purli, P.O. Kakkar, Tehsil & District Hamirpur, Himachal Pradesh.

2. Smt. Anjubala aged 35 years d/o Shri Chattar Singh Thakur, r/o V. & P.O. Beehan, Tehsil Dehra, District Kangra (H. P.).

बनाम

आम जनता

उपरोक्त मुकद्दमा में Shri Rattan Chand & Anjubala ने Shiv Mandir Muhi, Tehsil & District Hamirpur में शादी कर ली है जिसे स्पैशल मैरिज ऐक्ट, 1954 के अन्तर्गत पंजीकृत किया जाना है।

अतः आम जनता एवं उनके रिश्तेदारों को इस इश्तहार द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त शादी पंजीकरण करने बारे यदि किसी व्यक्ति को कोई उजर या एतराज हो तो वह दिनांक 1-12-2008 को सुबह 10.00 बजे या इससे पहले असालतन या वकालतन हाजिर अदालत होकर पेश करें अन्यथा शादी पंजीकरण करने बारे आगामी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 10-9-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी किया गया।

मोहर।

NARINDER SHARMA,
मैरिज ऑफिसर एवम् उप-मण्डल दण्डाधिकारी हमीरपुर,
जिला हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री Narinder Sharma, मैरिज ऑफिसर एवम् उप-मण्डल दण्डाधिकारी हमीरपुर,
जिला हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश

1. Shri Dimple aged 22 years s/o Shri Kangru, r/o VPO Anu, Tehsil & District Hamirpur,
Himachal Pradesh.

2. Smt. Baby aged 21 years d/o Shri Tingu Ram, r/o VPO Janhiari Devi, Tappa Jhaniara,
Tehsil & District Hamirpur (H. P.).

बनाम

आम जनता

उपरोक्त मुकद्दमा में Shri Dimple & Baby ने शादी करनी है जिसे स्पैशल मैरिज ऐक्ट, 1954 के अन्तर्गत पंजीकृत किया जाना है।

अतः आम जनता एवं उनके रिश्तेदारों को इस इश्तहार द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त शादी पंजीकरण करने बारे यदि किसी व्यक्ति को कोई उजर या एतराज हो तो वह दिनांक 25-11-2008 को सुबह 10.00 बजे या इससे पहले असालतन या वकालतन हाजिर अदालत होकर पेश करें अन्यथा शादी पंजीकरण करने बारे आगामी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 10-9-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी किया गया।

मोहर।

NARINDER SHARMA,
मैरिज ऑफिसर एवम् उप-मण्डल दण्डाधिकारी हमीरपुर,
जिला हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत नायब तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी ऊना, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश

मुकद्दमा नम्बर : जन्म/मृत्यु प्रमाण-पत्र।

श्री राजेश सिंह

बनाम

आम जनता।

दरख्वास्त जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम आम जनता।

श्री राजेश सिंह पुत्र श्री मदन सिंह, निवासी गांव विवेक नगर, ऊना, तहसील व जिला ऊना ने इस न्यायालय में दरख्वास्त दी है कि उसके पुत्र दीपक ठाकुर का नाम पंचायत रजिस्टर में गलती से दर्ज ना

करवाया जा सका है और अब दर्ज करवाया जावे उसके पुत्र का नाम दीपक ठाकुर है व जन्म तिथि 26-4-1999 तथा बच्चे का जन्म स्थान ऊना है।

अतः इस नोटिस के माध्यम से समस्त जनता तथा सम्बन्धी रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को उपरोक्त बच्चे का नाम दर्ज होने में कोई उजर/एतराज हो तो वह दिनांक 27-10-2008 को प्रातः दस बजे स्वयं अथवा असालतन व वकालतन इस अदालत में हाजिर आकर पेश कर सकता है अन्यथा एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जाकर प्रमाण-पत्र जारी करने के आदेश दे दिए जाएंगे।

आज दिनांक 15-9-2008 को हस्ताक्षर मेरे व मोहर अदालत द्वारा जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित/-
नायब तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी ऊना,
जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत कार्यकारी दण्डाधिकारी (ना० तह०) हरोली, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश
केसर कौर

बनाम

आम जनता

आवेदन-पत्र अधीन धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1969.

श्रीमती केसर कौर विधवा वखशीश सिंह, वासी पूवोवाल ने इस न्यायालय में निवेदन किया है कि पति वखशीश सिंह की मृत्यु दिनांक 20-4-2006 को हुई है, लेकिन उनकी मृत्यु की तिथि ग्राम पंचायत अभिलेख में दर्ज नहीं है।

अतः सर्वसाधारण को इस इश्तहार के माध्यम से सूचित किया जाता है कि यदि इस बारे किसी व्यक्ति को कोई उजर या एतराज हो तो वह दिनांक 22-10-2008 को प्रातः 10 बजे अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में उपस्थित कर सकता है।

यदि उपरोक्त वर्णित तिथि को किसी भी व्यक्ति का कोई उजर या एतराज इस न्यायालय में प्राप्त नहीं होता है तो इस न्यायालय द्वारा मृत्यु तिथि दर्ज करने हेतु ग्राम पंचायत पूवोवाल को आदेश दे दिए जाएंगे।

आज दिनांक 15-9-2008 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय मोहर से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित/-
कार्यकारी दण्डाधिकारी (ना० तह०) हरोली,
जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत कार्यकारी दण्डाधिकारी (ना० तह०) हरोली, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश

गरमीतो

बनाम

आम जनता

आवेदन—पत्र अधीन धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1969.

श्रीमती गरमीतो देवी पत्नी श्री हजारा सिंह वासी वाथू ने इस न्यायालय में निवेदन किया है उसकी दोहती राधा पुत्री श्री सन्तोष सिंह का जन्म दिनांक 7-4-2003 को हुआ है, लेकिन उसकी जन्म तिथि ग्राम पंचायत अभिलेख में दर्ज नहीं है।

अतः सर्वसाधारण को इस इश्तहार के माध्यम से सूचित किया जाता है कि यदि इस बारे किसी व्यक्ति को कोई उजर या एतराज हो तो वह दिनांक 22-10-2008 को प्रातः 10 बजे अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में उपस्थित कर सकता है।

यदि उपरोक्त वर्णित तिथि को किसी भी व्यक्ति का कोई उजर या एतराज इस न्यायालय में प्राप्त नहीं होता है तो इस न्यायालय द्वारा जन्म तिथि दर्ज करने हेतु ग्राम पंचायत वाथू को आदेश दे दिए जाएंगे।

आज दिनांक 15-9-2008 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय मोहर से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित /—
कार्यकारी दण्डाधिकारी (ना० तह०) हरोली,
जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत कार्यकारी दण्डाधिकारी (ना० तह०) हरोली, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश

मोहिन्द्र सिंह

बनाम

आम जनता

आवेदन—पत्र अधीन धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1969.

श्री मोहिन्द्र सिंह पुत्र श्री राम नाथ, वासी वठेड़ा ने इस न्यायालय में निवेदन किया है कि उसकी पुत्री हिमांशी ठाकुर का जन्म दिनांक 30-9-1998 को हुआ है, लेकिन उसकी जन्म तिथि ग्राम पंचायत अभिलेख में दर्ज नहीं है।

अतः सर्वसाधारण को इस इश्तहार के माध्यम से सूचित किया जाता है कि यदि इस बारे किसी व्यक्ति को कोई उजर या एतराज हो तो वह दिनांक 22-10-2008 को प्रातः 10 बजे अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में उपस्थित कर सकता है।

यदि उपरोक्त वर्णित तिथि को किसी भी व्यक्ति का कोई उजर या एतराज इस न्यायालय में प्राप्त नहीं होता है तो इस न्यायालय द्वारा जन्म तिथि दर्ज करने हेतु ग्राम पंचायत वठेड़ा को आदेश दे दिए जाएंगे।

आज दिनांक 15—9—2008 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय मोहर से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित /—
कार्यकारी दण्डाधिकारी (ना० तह०) हरोली,
जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत कार्यकारी दण्डाधिकारी अम्ब, तहसील अम्ब, जिला ऊना हिमाचल प्रदेश

श्री विजय कुमार पुत्र श्री बलदेव सिंह, निवासी नंगल जरियाला, तहसील अम्ब, जिला ऊना (हि० प्र०)

बनाम

आम जनता

प्रार्थना—पत्र जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्री विजय कुमार पुत्र श्री बलदेव सिंह, निवासी नंगल जरियाला ने इस अदालत में प्रार्थना—पत्र गुजारा है कि उसकी लड़की का नाम अनीशा जरियाल पुत्री श्री विजय कुमार का जन्म दिनांक 29—12—2005 को हुआ है। परन्तु अज्ञानतावश वह उसकी जन्म तिथि ग्राम पंचायत के रिकार्ड नंगल जरियाल में दर्ज नहीं करा सका।

अतः सर्वसाधारण को इस इश्तहार द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि इस बारा किसी को कोई एतराज हो तो वह दिनांक 25—10—2008 को असालतन या वकालतन हाजिर होकर अपना एतराज पेश कर सकता है। निर्धारित अवधि के पश्चात् कोई आपत्ति प्राप्त न होने पर प्रार्थना—पत्र श्री विजय कुमार पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

आज दिनांक 20—9—2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित /—
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
अम्ब, तहसील अम्ब, जिला ऊना (हि० प्र०)।

ब अदालत कार्यकारी दण्डाधिकारी अम्ब, तहसील अम्ब, जिला ऊना हिमाचल प्रदेश

श्री देव राज पुत्र श्री कर्म चन्द, निवासी नन्दपुर, तहसील अम्ब, जिला ऊना (हि० प्र०)

बनाम

आम जनता

प्रार्थना—पत्र जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्री देव राज पुत्र श्री कर्म चन्द, निवासी नन्दपुर ने इस अदालत में प्रार्थना—पत्र गुजारा है कि उसकी लड़की का नाम कुमार देवी पुत्री श्री देव राज का जन्म दिनांक 7—9—2002 को हुआ है। परन्तु अज्ञानतावश वह उसकी जन्म तिथि ग्राम पंचायत के रिकार्ड नन्दपुर में दर्ज नहीं करा सका है।

अतः सर्वसाधारण को इस इश्तहार द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि इस बारा किसी को कोई एतराज हो तो वह दिनांक 25-10-2008 को असालतन या वकालतन हाजिर होकर अपना एतराज पेश कर सकता है। निर्धारित अवधि के पश्चात् कोई आपत्ति प्राप्त न होने पर प्रार्थना-पत्र श्री देव राज पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

आज दिनांक 20-9-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित/-
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
अम्ब, तहसील अम्ब, जिला ऊना (हि० प्र०)।

ब अदालत कार्यकारी दण्डाधिकारी अम्ब, तहसील अम्ब, जिला ऊना हिमाचल प्रदेश

श्री सुभाष चन्द पुत्र श्री राम चन्द, निवासी जीतपुर बेहड़ी, तहसील अम्ब, जिला ऊना (हि० प्र०)

बनाम

आम जनता

प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्री सुभाष चन्द पुत्र श्री राम चन्द, निवासी जीतपुर बेहड़ी ने इस अदालत में प्रार्थना-पत्र गुजारा है कि उसके पिता का नाम राम चन्द पुत्र श्री प्रभदयाल की मृत्यु दिनांक 10-7-2007 को हुई है। परन्तु अज्ञानतावश वह उसकी मृत्यु तिथि ग्राम पंचायत के रिकार्ड संघर्ष में दर्ज नहीं करा सका है।

अतः सर्वसाधारण को इस इश्तहार द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि इस बारा किसी को कोई एतराज हो तो वह दिनांक 25-10-2008 को असालतन या वकालतन हाजिर होकर अपना एतराज पेश कर सकता है। निर्धारित अवधि के पश्चात् कोई आपत्ति प्राप्त न होने पर प्रार्थना-पत्र श्री सुभाष चन्द पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

आज दिनांक 20-9-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित/-
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
अम्ब, तहसील अम्ब, जिला ऊना (हि० प्र०)।

ब अदालत कार्यकारी दण्डाधिकारी अम्ब, तहसील अम्ब, जिला ऊना हिमाचल प्रदेश

श्री राम किशन पुत्र श्री मिलखी राम, निवासी कुठिआरी, तहसील अम्ब, जिला ऊना (हि० प्र०)

बनाम

आम जनता

प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्री राम किशन पुत्र श्री मिलखी राम, निवासी कुठिआरी ने इस अदालत में प्रार्थना-पत्र गुजारा है कि उसके भतीजे का नाम अजय पुत्र श्री प्रकाश चन्द का जन्म दिनांक 20-12-1989 को हुआ है। परन्तु अज्ञानतावश वह उसकी जन्म तिथि ग्राम पंचायत के रिकार्ड कुठिआरी में दर्ज नहीं करा सका है।

अतः सर्वसाधारण को इस इश्तहार द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि इस बारा किसी को कोई एतराज हो तो वह दिनांक 25-10-2008 को असालतन या वकालतन हाजिर होकर अपना एतराज पेश कर सकता है। निर्धारित अवधि के पश्चात् कोई आपत्ति प्राप्त न होने पर प्रार्थना-पत्र श्री राम किशन पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

आज दिनांक 20-9-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित/-
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
अम्ब, तहसील अम्ब, जिला ऊना (हि० प्र०)।

ब अदालत श्री एस० के० कौण्डल, कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील लड-भड़ोल, जिला मण्डी (हि० प्र०)

मिसल नं० 17

तारीख मरजुआ 25-8-2008

उनवान : मुकद्दमा

श्री होशियार सिंह सुपुत्र श्री सुरजन सिंह, निवासी गांव चुला, डा० तुलाह, तहसील लड-भड़ोल, जिला मण्डी (हि० प्र०)।

बनाम

आम जनता

जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 के अन्तर्गत।

श्री होशियार सिंह सुपुत्र श्री सुरजन सिंह, निवासी चुला, डा० तुलाह, तहसील लड-भड़ोल, जिला मण्डी (हि० प्र०) ने इस अदालत में एक आवेदन-पत्र गुजारा है कि उसके पुत्र का नाम आदर्श जसवाल व जन्म तिथि 8-5-2007 है। परन्तु अज्ञानतावश ग्राम पंचायत तुलाह के अभिलेख में दर्ज नहीं हो सका। अतः प्रार्थी का नाम आदर्श जसवाल व जन्म तिथि 8-5-2007 को ग्राम पंचायत तुलाह के अभिलेख में दर्ज किया जावे।

अतः सर्वसाधारण को बजरिया इश्तहार के माध्यम से सूचित किया जाता है कि किसी व्यक्ति को होशियार सिंह के पुत्र का नाम आदर्श जसवाल व जन्म तिथि 8-5-2007 को ग्राम पंचायत तुलाह के अभिलेख में दर्ज करने बारा कोई उजर व एतराज हो तो वह दिनांक 1-10-2008 को प्रातः 10.00 बजे असालतन व वकालतन इस अदालत में हाजिर होवें तथा अपने उजर व एतराज पेश करें। अन्यथा गैर हाजिर की सूरत में एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 23-9-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

एस० के० कौण्डल,
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
तहसील लड-भड़ोल, जिला मण्डी (हि० प्र०)।

ब अदालत जे० एस० ठाकुर, कार्यकारी दण्डाधिकारी (तहसीलदार), चच्योट स्थित गोहर, जिला मण्डी,
हिमाचल प्रदेश

ब मुकद्दमा :

श्रीमती अनिता देवी पत्नी श्री नरेन्द्र कुमार, गांव चच्योट, डाकघर चच्योट, जिला मण्डी . . . प्रार्थी।

बनाम

आम जनता

प्रार्थना—पत्र जे० धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण, 1969.

श्रीमती अनिता देवी पत्नी श्री नरेन्द्र कुमार, गांव व डाकघर चच्योट, तहसील चच्योट, जिला मण्डी ने इस न्यायालय में एक प्रार्थना—पत्र प्रस्तुत किया है कि उसकी लड़की का नाम किरण है जिसकी जन्म तिथि 14—1—2003 है, लेकिन अज्ञानतावश वह अपनी लड़की का नाम व जन्म तिथि ग्राम पंचायत चच्योट के रिकार्ड में दर्ज न करवा सकी है, जिसे दर्ज करने के आदेश पारित किए जाएं।

अतः सर्वसाधारण को इस इश्तहार मुनादी हिमाचल प्रदेश राजपत्र के माध्यम से सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त जन्म तिथि व नाम पंचायत रिकार्ड में दर्ज करने बारे कोई आपत्ति या एतराज हो तो वह निर्धारित तिथि पेशी दिनांक 18—11—2008 को इस न्यायालय में प्रातः 10.00 बजे असालतन या वकालतन उपस्थित आकर अपनी आपत्ति या एतराज प्रस्तुत कर सकता है। हाजिर न आने की सूरत में नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 17—10—2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया।

मोहर।

जे० एस० ठाकुर,
कार्यकारी दण्डाधिकारी (तहसीलदार),
चच्योट स्थित गोहर, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत जी० आर० ठाकुर, कार्यकारी दण्डाधिकारी जोगिन्दर नगर, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश

1. ध्यान सिंह चौहान पुत्र श्री फत्ते उर्फ फत्ता, 2. आशा चौहान पत्नी श्री ध्यान सिंह चौहान,
3. बर्षा चौहान पुत्री श्री ध्यान सिंह, 4. पूजा चौहान पुत्री श्री ध्यान सिंह, सभी निवासी सरहोली (आहड़), डाँ
चौतड़ा, जोगिन्दर नगर . . . वादी।

बनाम

आम जनता . . . प्रतिवादी।

प्रार्थना—पत्र जे० धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

उपरोक्त प्रार्थी श्री ध्यान सिंह चौहान पुत्र श्री फत्ते उर्फ फत्ता, निवासी सरहोली ने अपनी जन्म तिथि 30—6—1956, आशा चौहान की जन्म तिथि 21—11—1963, वर्षा चौहान पुत्री श्री ध्यान सिंह की जन्म तिथि 2—1—1986 व पुत्री पूजा चौहान की जन्म तिथि 5—11—1988 की है, को परिवार रजिस्टर ग्राम पंचायत पसल में दर्ज करवाने हेतु आवेदन—पत्र गुजार रखा है।

अतः इस इश्तहार के माध्यम से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को उजर या एतराज हो तो वह दिनांक 10—11—2008 को प्रातः 10.00 बजे हाजिर अदालत आकर अपना एतराज पेश करे अन्यथा दीगर कार्यवाही अमल में लाई जावेगी।

आज दिनांक 8—9—2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी किया गया।

मोहर।

जी० आर० ठाकुर,
कार्यकारी दण्डाधिकारी जोगिन्दर नगर,
जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत जी० आर० ठाकुर, कार्यकारी दण्डाधिकारी जोगिन्द्र नगर, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश

श्री रणजीत सिंह पुत्र श्री चमारू राम, निवासी समोहली, डा० बल्ह-जोली, तहसील जोगिन्द्र नगर .. वादी ।

बनाम

आम जनता .. प्रतिवादी ।

प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

उपरोक्त प्रार्थी श्री रणजीत सिंह पुत्र श्री चमारू राम, निवासी समोहली ने अपनी पुत्री रजसी की जन्म तिथि 21-9-2003 की है, को परिवार रजिस्टर ग्राम पंचायत बल्ह-जोली में दर्ज करवाने हेतु आवेदन-पत्र गुजार रखा है।

अतः इस इश्तहार के माध्यम से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को उजर या एतराज हो तो वह दिनांक 10-11-2008 को प्रातः 10.00 बजे हाजिर अदालत आकर अपना एतराज पेश करे अन्यथा दीगर कार्यवाही अमल में लाई जावेगी।

आज दिनांक 8-9-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी किया गया।

मोहर।

जी० आर० ठाकुर,
कार्यकारी दण्डाधिकारी जोगिन्द्र नगर,
जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश।

**In the court of Marriage Officer-cum-Sub-Divisional Magistrate, Ghumarwin, District
Bilaspur, Himachal Pradesh**

In the matter of :

1. Ravinder Kumar aged 22 years s/o Shri Deep Ram, r/o Village Hari Talyanagar, P. O. Dangar, Tehsil Ghumarwin, District Bilaspur, Himachal Pradesh.

2. Akanksha Sharma aged 19 years d/o Shri Ram Dass, r/o Village Galyana, P. O. & Tehsil Ghumarwin, District Bilaspur, Himachal Pradesh .. *Applicants.*

Versus

General Public

Subject.—Application for the registration of Marriage under Section 16 of Special Marriage Act, 1954 (Central Act) as amended by Marriage Laws (Amendment Act, 01) (49 of 2001).

Ravinder Kumar 22 years s/o Shri Deep Ram, r/o Village Hari Talyanagar, P. O. Dangar, Tehsil Ghumarwin, District Bilaspur, Himachal Pradesh and Akanksha Sharma aged 19 years d/o Shri Ram Dass, r/o Village Galyana, P. O. & Tehsil Ghumarwin, District Bilaspur, Himachal Pradesh have filed an application alongwith affidavit in the Court of under signed under section 16 of Special Marriage Act, 1954 (Central Act) as amended by Marriage Laws (Amendment Act, 01 (49 of 2001) that they have solemnized their marriage on 19-11-2007 before the Executive Magistrate, Shimla (H.P.) and they are living together as husband and wife since then. Hence their marriage may be registered under Special Marriage Act, 1954.

Therefore, the general public is hereby informed through this notice that any person who has any objection regarding this marriage can file the objection personally or in writing before this court on before 3-11-2008 after that no objection will be entertained and marriage will be registered.

Issued today on 15th September, 2008 under my hand and seal of the court.

Seal.

Sd/-

*Marriage Officer-cum-Sub- Divisional Magistrate,
Ghumarwin, District Bilaspur (H. P.).*

**In the court of Marriage Officer-cum-Sub-Divisional Magistrate, Ghumarwin,
District Bilaspur, Himachal Pradesh**

In the matter of:—

1. Rakesh Kumar aged 31 years s/o Shri Hari Ram, r/o Village Baddu, P. O. Bari-Majherwan, Tehsil Gumarwin, District Bilaspur, Himachal Pradesh.

2. Nisha Devi aged 23 years d/o Shri Bhagat Ram, r/o Village Tutu, Tehsil & District Shimla, Himachal Pradesh . . . *Applicants.*

Versus

General Public

Subject.—Application for the registration of Marriage under Section 16 of Special Marriage Act, 1954 (Central Act) as amended by Marriage Laws (Amendment Act, 01 (49 of 2001).

Rakesh Kumar aged 31 years s/o Shri Hari Ram, r/o Village Baddu, P. O. Bari-Majherwan, Tehsil Gumarwin, District Bilaspur, Himachal Pradesh and Nisha Devi aged 23 years d/o Shri Bhagat Ram, r/o Village Tutu, Tehsil & District Shimla, Himachal Pradesh an application alongwith affidavit in the Court of under signed under Section 16 of Special Marriage Act, 1954 (Central Act) as amended by Marriage Laws (Amendment Act, 01 (49 of 2001) that they have solemnized their marriage on 16-6-2008 at Nar Singh Temple old Bus Stand Ghumarwin, District Bilaspur, Himachal Pradesh and they are living together as husband and wife since then. Hence their marriage may be registered under Speical Marriage Act, 1954.

Therefore, the general public is hereby informed through this notice that any person who has any objection regarding this marriage can file the objection personally or in writing before this court on before 5-11-2008 after that no objection will be entertained and marriage will be registered.

Issued today on 18th September, 2008 under my hand and seal of the court.

Seal.

Sd/-

*Marriage Officer-cum-Sub-Divisional Magistrate,
Ghumarwin, District Bilaspur (H. P.).*